www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 25 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
25 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:34
सूर्यास्तः 06:35
अधिकतमः 43°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | प्राविधिक शिक्षा विकसित... >> पेज 04 | गुरुकुल में पीट-पीटकर बच्चे ... >> पेज 06 | फिल्म हक के लिए यामी...

7 सांसदों ने छोड़ा 'आप' का साथ, आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भाजपा में

बिखर गई झाड़ू

राघव चड्ढा ने कहा- राज्यसभा में आप के 10 सांसद हैं, जिनमें से दो-तिहाई, यानी 7 हमारे साथ हैं। इनमें राघव चड्ढा के अलावा संदीप पाठक, राजेंदर गुप्ता, विक्रम साहनी, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह और अशोक मित्तल शामिल हैं।

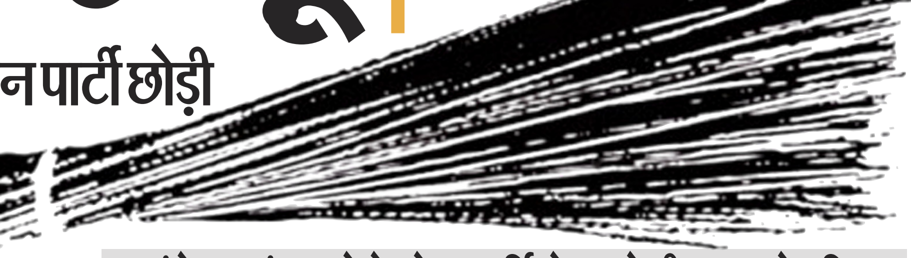

बगावत

अशोक मित्तल ने ईडी छापे के 10वें दिन पार्टी छोड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भाजपा जॉइन करने का ऐलान किया। शुक्रवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल भी मौजूद थे। चड्ढा ने कहा कि उनके साथ पार्टी के दो-तिहाई सांसद भी भाजपा में शामिल होंगे। अशोक मित्तल के घर 15 अप्रैल को ED ने छापेमारी की थी। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर हरभजन सिंह और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल भी उनके साथ हैं। दोनों AAP के राज्यसभा सांसद हैं। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। चड्ढा ने कहा- पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं।

>> (शेष पेज 06 पर)

आप नेता सामने आए, कहा- पार्टी लाइन से हटे

राघव के वीडियो के सामने आते ही अनुराग ढांडा, सौरभ भारद्वाज, आतिशी मार्लेना, सीएम भगवंत मान जैसे कई AAP नेता सामने आए। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल अरेस्ट हुए तो राघव चड्ढा आंखों के ऑपरेशन की बात कह UK में थे। संसद में केंद्र सरकार और PM मोदी से सवाल नहीं पूछते, वह मोदी से डरते हैं। राष्ट्रीय मुद्दों के बजाय समोसे के रेट जैसे छोटे मुद्दे उठाते हैं। पश्चिम बंगाल को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रस्ताव में साइन करने से राघव चड्ढा ने इनकार किया। पार्टी के वॉकआउट पर सदन से बाहर नहीं आए।

कांग्रेस सांसद बोले- मेन आर्किटेक्ट ने ही साथ छोड़ दिया

कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि जब पार्टी के "मेन आर्किटेक्ट" ने ही साथ छोड़ दिया, तो यह अपने आप में बड़ा सवाल खड़ा करता है। भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को इस पूरे मामले पर जवाब देना चाहिए। जो नेता पहले दूसरों पर सवाल उठाते थे, अब उन्हें खुद अपने हालात पर सफाई देनी पड़ेगी। आने वाले चुनावों से पहले पार्टी के बाकी सांसद भी साथ छोड़ सकते हैं।

राघव ने कहा- अभी और भी हैं जो साथ आएंगे। बीजेपी जॉइन करने का काम आज शाम को होगा। भारत का संविधान यह प्रोवीजन देता है, कि अगर 2/3 से ज्यादा सांसद किसी दूसरी पार्टी में जाना चाहें तो वे ऐसा कर सकते हैं। यह अधिकार हमें भारत के संविधान ने ही दिया है।

राघव बोले- मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति

पिछले कुछ सालों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं AAP से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। राघव चड्ढा ने कहा- राजनीति में आने से पहले, मैं एक प्रैक्टिसिंग चार्टर्ड अकाउंटेंट था। इस मंच पर मेरे साथ अलग-अलग क्षेत्रों के लोग थे। कुछ वैज्ञानिक थे, तो कुछ शिक्षाविद। आज, AAP छोड़ने वालों में एक विश्वस्तरीय क्रिकेटर, एक पद्मश्री विजेता और कई सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। इन सभी लोगों ने अपना सब कुछ त्यागकर, एक भ्रष्टाचार-मुक्त भारत बनाने के संकल्प के साथ एकजुट होकर इस पार्टी की स्थापना की थी।

पंजाब की जनता इन 'गद्दारों' को कभी नहीं भूलेगी

7 सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़ने पर बोले संजय सिंह

आम आदमी पार्टी ने अपने सात सांसदों के पार्टी छोड़ने और उनके भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। पार्टी ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के अच्छे काम को रोकने के लिए भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' शुरू हो गया है। सात सांसदों के पार्टी छोड़ने के ऐलान करने के बाद AAP सांसद संजय सिंह ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और कहा कि बीजेपी ने पंजाब के CM भगवंत मान के नेतृत्व वाली AAP सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों में रुकावट डालने का काम किया है। AAP के 7 राज्यसभा सांसद BJP में शामिल हो रहे हैं; पंजाब की जनता को इन 7 नामों को याद रखना चाहिए। पंजाब की जनता इन्हें कभी नहीं भूलेगी।

भगवंत मान बोले- ये वही वॉशिंग मशीन, जिससे पवार की पार्टी तोड़ी

पंजाब के सीएम भगवंत मान बोले- इन लोगों ने आज हमारी पार्टी के सांसदों को तोड़ा। ये वही वॉशिंग मशीन है, जो शरद पवार की पार्टी तोड़ने में इस्तेमाल की गई थी। पंजाबी जब प्यार करते हैं तो दिल से करते हैं, जब उनसे धोखा किया जाता है तो पंजाबी जो करते हैं उन्हें कई पीढ़ियां याद रखती हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा, "नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 'ऑपरेशन लोटस' शुरू किया है, जिसे सस्ती राजनीति का खेल और पंजाब में भगवंत मान सरकार के अच्छे कामों में बड़े पैमाने पर रुकावट डालने की कोशिश बताया जा रहा है।"

'भारत ने अमेरिका के लिए क्या नहीं किया'

रूस-ईरान से तेल खरीदना बंद किया : राम माधव

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता और RSS लीडर राम माधव के अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते पर बयान को लेकर विवाद हो गया है। माधव ने वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए क्या नहीं किया। उन्होंने कहा, 'भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद किया, रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई और अमेरिकी टैरिफ का भी विरोध नहीं किया। तो फिर आखिर भारत अमेरिका के साथ काम करने में कहां कमी कर रहा है?'

राम माधव ने वॉशिंगटन में एक पैनल चर्चा के दौरान अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते पर टिप्पणी की थी।

हालांकि, विपक्ष की आलोचना के बाद राम माधव ने माफी मांग ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शुक्रवार को लिखा, 'भारत ने कभी भी रूस से तेल आयात रोकने पर सहमति नहीं दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

छांगुर बाबा के खिलाफ 1400 पन्नों की चार्जशीट

फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन का विस्तृत विवरण

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की स्पेशल ATS कोर्ट ने छांगुर बाबा की डिस्चार्ज अर्जी 19 अप्रैल को खारिज कर दी। इसके बाद छांगुर और उसके सहयोगियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई का रास्ता साफ हो गया। ED और ATS ने जो चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग, जमीन खरीद और संगठित तरीके से धर्मांतरण कराने के संगीन आरोप लगाए हैं। ED ने करीब 1400 पन्नों की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। इसमें फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन और आरोपियों के बीच संबंधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। चार्जशीट में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर धर्मांतरण गतिविधियों को अंजाम देना था।

100 करोड़ की विदेशी फंडिंग और संगठित धर्मांतरण के साक्ष्य, चलेगा मुकदमा

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था।

विवाद वार्ता

नरवणे बोले- चीन गतिरोध में सरकार ने अकेला नहीं छोड़ा

नई दिल्ली। पूर्व आर्मी चीफ चीफ जनरल एमएम नरवणे ने गुरुवार को कहा कि 2020 में चीन के साथ गतिरोध में सरकार ने सेना को अकेला नहीं छोड़ा था। सरकार पूरी तरह से सपोर्ट में थी और पूरा अधिकार दिया था कि हालात बिगड़ने पर चीनी सैनिकों पर गोलियां चला सकें। जनरल नरवणे ने गुरुवार को कुछ चैनल्स को दिए इंटरव्यू में अपनी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवादों पर बात की। इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'जो उचित समझो वह करो' टिप्पणी सशस्त्र बलों पर सरकार के पूरे भरोसे को दर्शाती है ।

7 महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि लड़की क्या चाहती है।

टीएमसी का दीया बुझने वाला : मोदी

शाह ने कहा अगला सीएम यहीं जन्म लेने वाला होगा

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम और जादवपुर में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है। पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि 4 मई को हमारी सरकार बनेगी। बंगाल का अगला सीएम यहीं जन्म लेने वाला होगा। बस दीदी का भतीजा नहीं होगा।

अभिषेक बनर्जी बोले- अपराधी अब बीजेपी में शामिल हो जाते हैं

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम मोदी ने हुगली नदी में नाव की सवारी की

कोलकाता । पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हुगली नदी में नाव की सवारी की है। इस दौरान पीएम ने खुद से फोटोग्राफी भी की। तस्वीरों में वे हाथ में कैमरा लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने नाविकों से बातचीत भी की। हुगली में नाव की सवारी कराने वाले नाविक को एक हजार रुपए भी दिए। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर नाव की सवारी वाली तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा, 'हर बंगाली के लिए गंगा का एक बहुत ही खास स्थान है। यह कहना गलत नहीं होगा कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है।' इससे पहले पीएम 19 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में रास्ते में वह एक दुकान पर रुके और झालमुड़ी खाई। पीएम मोदी ने कोलकाता के हुगली घाट पर नाव की सवारी के बाद नाविक गौरांगो बिस्वास को गले लगाया और 1000 रुपए दिए।

मिलिटेंट्स ने कई घर जलाए, नगा-कुकी समुदाय में तनाव, 7 अप्रैल से अब तक 10 मौतें

मणिपुर के उखरुल में फायरिंग से 3 की मौत

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल । मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार सुबह दो अलग-अलग फायरिंग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। मुल्लम गांव के पास सुरक्षाबलों ने करीब 11:25 बजे दो शव बरामद किए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों आर्मी प्रिंट कपड़ों में थे।

उनके शरीर पर गोली के निशान मिले हैं। दूसरी घटना सिनाकेइथेई गांव की है, जहां 29 साल के एच. जमांग नाम के युवक को हमलावरों ने घात लगाकर मार डाला। अधिकारियों ने शव बरामद कर लिया है। कुकी संगठनों ने आरोप लगाया कि नगा मिलिटेंट्स ने सुबह करीब 5:30 बजे उनके गांवों पर हमला किया। इसमें गांव के वॉलंटियर्स मारे गए और महिलाओं-बच्चों सहित कई लोग घायल हुए। >> (शेष पेज 06 पर)

इंफाल में दो बच्चों की मौत के विरोध में 22 अप्रैल को प्रदर्शन हुए। सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

मेइरा पाईबी मणिपुर में शांति की बहाली की मांग करते हुए सड़कों पर उतरी हैं।

मेइरा पाईबी की महिलाएं सड़कों पर उतरीं

बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद से ममिपुर में जगह-जगह विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। 18 अप्रैल से राज्य में पूर्ण बंद लागू है। आम-जनजीवन ठप है। इसी बीच मेइरा पाइबी समूह की महिलाएं सड़कों पर उतर आईं हैं। हजारों महिलाओं का यह समूह शांति-व्यवस्था के लिए न केवल सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है, बल्कि सामाजिक स्तर पर लोगों को भी जोड़ रहा है। ये महिलाएं दिन में रास्ते रोक रही हैं, धरना दे रही हैं। वहां से न पुलिस निकल सकती है, न कोई और।

जांच : गुवाहाटी हाईकोर्ट बोला- ये फर्जी दस्तावेज का केस, कस्टोडियल पूछताछ जरूरी

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

गुवाहाटी । गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया ने कहा कि खेड़ा ने रिनिकी भुइयां शर्मा पर आरोप लगाने के लिए जिन दस्तावेजों को आधार बनाया है, पुलिस के मुताबिक वे पहले ही फर्जी साबित हो चुके हैं।

खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि असम CM सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं और विदेश में अघोषित संपत्ति है। जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। इसके बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में खेड़ा के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

6 अप्रैलः हिमंता बोले- हमने प्रापर्टी के असली मालिक का पता लगाया

हिमंता ने दुबई में फ्लैट होने के आरोपों का जवाब देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा था कि हमने दुबई के उन 2 अपार्टमेंट के असली मालिकों का पता लगा लिया है, जिनका जिक्र कांग्रेस ने किया है। >> (शेष पेज 06 पर)

कोर्ट बोला- निर्दोष महिला को राजनीति में घसीटा

अगर आरोप मुख्यमंत्री पर होते तो इसे राजनीतिक बयान माना जा सकता था, लेकिन उनकी पत्नी को इसमें घसीटना सही नहीं है।

इससे राजनीतिक फायदा लेने की कोशिश दिखती है और एक निर्दोष महिला को विवाद में लाया गया।

यह पता लगाने के लिए कि दस्तावेज कहां से आए, किसने जुटाए और इसमें कौन-कौन शामिल है, हिरासत में पूछताछ जरूरी है। खेड़ा पुलिस जांच से बचने की कोशिश कर रहे थे। यह सिर्फ मानहानि का मामला नहीं है, बल्कि इसमें साजिश और फर्जी दस्तावेज रखने जैसे गंभीर पहलू शामिल हैं।

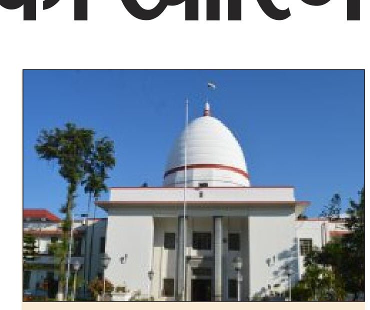

कोर्ट ने कहा कि खेड़ा यह साबित नहीं कर पाए कि रिनिकी के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं या उन्होंने अमेरिका में कंपनी बनाकर निवेश किया है। पहली नजर में ये फर्जी दस्तावेज रखने का केस बनता है। इसलिए पुलिस को जांच के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है।

बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर खुश हूं : सीजेआई

बंगाल में पहले फेज की वोटिंग 93% रही

संतोष

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग की तारीफ की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने राज्य में चुनावी हिंसा न होने पर संतोष जताया। CJI ने कहा- भारत के नागरिक के रूप में, मुझे मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुशी हुई। जब लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, कि वे लोग समाधान के लिए कोर्ट की तरफ से नियुक्त 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों से संपर्क करें। कोर्ट बंगाल में SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था।

एसआईआर लिस्ट से बाहर चुनाव अधिकारियों की याचिका पर कहा- इस बार वोट नहीं डाल पाएंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

पंचायतों का सशक्तिकरण ही मजबूत लोकतंत्र की नींव-मा. पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर

चौपालों से गूंजा लोकतंत्र

कार्यक्रम

- राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर यूपी में जनपद/ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभाएं
- जनभागीदारी से सशक्त पंचायतेंः राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रदेशभर में हुए कार्यक्रम

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रदेशभर में जनभागीदारी का उत्सव

जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर उत्तर प्रदेश के गांवों में लोकतंत्र का सजीव स्वरूप देखने को मिला। चौपालों पर गूंजती चर्चाएं, विकास के नए संकल्प और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि लोकतंत्र की असली ताकत गांवों में ही निहित है।

इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण विकास, जनभागीदारी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आज विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जिनमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्थानीय विकास योजनाओं, जनसमस्याओं के समाधान तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। इन ग्राम सभाओं के माध्यम से पंचायत स्तर पर सहभागितापूर्ण एवं जवाबदेह शासन की भावना को और अधिक सशक्त किया गया। पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में आयोजित इन कार्यक्रमों के अंतर्गत पंचायत उन्नति सूचकांक (च्.प्.) के तहत प्रगति की समीक्षा, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण, महिला सशक्तिकरण तथा स्वच्छता एवं अन्य विकास कार्यों में जनसहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हमारे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का अवसर

पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हमारे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का अवसर है। पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और प्रदेश सरकार इनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक पंचायत पारदर्शी, जवाबदेह एवं आत्मनिर्भर बनकर विकास की धारा को गांव-गांव तक पहुंचाए। पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश प्रदेश की पंचायतों को सशक्त बनाकर समग्र ग्रामीण विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सतत प्रयासरत है।

पश्चिमी यूपी के उलेमाओं का सपा प्रमुख से संवाद

2027 में बदलाव का लिया संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित 19, विक्रमादित्य मार्ग पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख उलेमाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन लाने और समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। उलेमाओं ने एक स्वर में कहा कि प्रदेश को वर्तमान परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिए नेतृत्व परिवर्तन जरूरी है और इसके लिए वे पूरी ताकत के साथ समाजवादी पार्टी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि "प्रदेश बचाना है, अखिलेश को लाना है" के संदेश के साथ वे जनसमर्थन जुटाने का कार्य करेंगे। बैठक के दौरान सय्यदना खालिद बिन वालीड ट्रस्ट, देवबंद के निदेशक कारी मोहम्मद सलीम कासमी ने सहारनपुर स्थित शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। इस पर अखिलेश यादव ने आश्वासन दिया कि यदि प्रदेश में समाजवादी सरकार बनती है, तो शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज को डॉ. राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और सैफई मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी।

फास्ट न्यूज

लखनऊ के होटल में बंधक बनाकर युवती से गैंगरेप

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में युवती से गैंगरेप, मारपीट और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने 7 नामजद और 5-6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

बलिया निवासी पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों ने साजिश के तहत उसे एक होटल में बुलाया और वहां बंधक बना लिया।

'यूपी में जंगलराज, यहां अपराधी विशेष जाति के'

लखनऊ। लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि यूपी में जगलराज है। यहां अपराधी विशेष जाति के हैं। OBC और अल्पसंख्यकों पर कार्रवाई तुरंत की जाती है। ऊंची जातियों के लिए कानून दूसरा है। कौशांबी, देवरिया, कानपुर, हरदोई, गाजीपुर में युवतियों की हत्या की गई।

हम इन जिलों के कप्तानों से और सरकार से पूछना चाहते हैं कि यहां क्या कार्रवाई हुई? किसी भी एक अपराधी पर कोई ऐसी कार्रवाई हुई है जो नजीर बने तो हमें बताया जाए। स्वामी प्रसाद ने शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित अपने आवास पर प्रेसवार्ता में ये सवाल किए।

भारतीय किसान यूनियन का प्रदर्शन

लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद ने अपनी मांगों को लेकर गोमती नगर स्थित नगर निगम जोन 4 कार्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने जिला प्रशासन और LDA के खिलाफ नारेबाजी की। 150 दिनों से ज्यादा समय से चिनहट में प्रदर्शन कर रहे हैं। समय-समय पर जिम्मेदार अधिकारियों और विभागों के कार्यालय का घेराव करते हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

सीएम योगी करेंगे रश्मिरथी पर्व का शुभारंभ

- 75 साल पूरे होने पर लखनऊ में तीन दिन साहित्य-संस्कृति का संगम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी के 75 वर्ष पूरे होने पर 3 दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत आज से हो गई है। आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हो रहा है। उद्घाटन सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ और मुख्य वक्ता के रूप में शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए हैं। उद्घाटन सत्र में 'रश्मिरथी संवाद' स्मारिका का लोकार्पण किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन होगा, जिसमें विद्वान दिनकर के साहित्य, राष्ट्रवाद और उनकी समकालीन प्रासंगिकता पर विचार रखेंगे। शाम को रश्मिरथी पर आधारित नाटक का मंचन होगा।

25 अप्रैल को स्वामी विवेकानंद के सांस्कृतिक भारत निर्माण में योगदान विषय पर विशेष चर्चा होगी। इसमें युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्रसेवा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या में विवेकानंद के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति भी आयोजित की जाएगी। 26 अप्रैल को बाल गंगाधर तिलक और अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विशेष चर्चा होगी। इसके साथ अटल जी की कविताओं पर आधारित 'अटल स्वरांजलि' और लोकमान्य तिलक पर आधारित नाटक का मंचन किया जाएगा।

2 किलोवाट वाले उपभोक्ताओं को भी राहत- 200 रुपये तक माइनस बिल पर नहीं होगी कटौती

1 किलोवाट तक के उपभोक्ताओं का 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

- कनेक्शन काटने से पहले 5 एसएमएस भेजना अनिवार्य, उपभोक्ता हित सर्वोपरि
- भीषण गर्मी में अनुरक्षण एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश
- पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य- मंत्री ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं,

विशेषकर कम लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मंत्री श्री शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि 1 किलोवाट तक के विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं का यदि बैलेंस नेगेटिव भी हो जाए, तब भी 30 दिनों तक उनका कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है।

योगी सरकार का बड़ा फैसलाः कम लोड वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

2 किलोवाट के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन 200 रुपए तक के माइनस बैलेंस पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी 5 चरणों में एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

5-स्तरीय एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई

ऊर्जा मंत्री ने साफ किया कि नेगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी एक माह का चक्र पूरा होने से पहले किसी भी स्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं किया जाएगा। साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ताओं को 5 अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे। जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सकेगा। वहीं बढ़ती गर्मी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं। अब तक लगभग 30 लाख नए विद्युत खंभे स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही ट्रांसफार्मरों की क्षमता में भी व्यापक वृद्धि की गई है।

24 घंटे सक्रिय हेल्पलाइन से त्वरित मदद, एक कॉल में समस्या का समाधान

महिलाओं का मजबूत सहारा बन रही 181 हेल्पलाइन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तीकरण शीर्ष प्राथमिकता पर है। इसी दिशा में संचालित 181 महिला हेल्पलाइन प्रदेश की महिलाओं के लिए संकट के समय मजबूत सहारा बनकर उभरी है। वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण एक बड़ी उपलब्धि है, जो नारी की गरिमा व सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता दर्शाती है।

किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए महिलाएं इस हेल्पलाइन से सीधे संपर्क कर सकती हैं। शिकायत के मामले 2

मिनट के भीतर संबंधित वन स्टॉप सेंटर को ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। इसके बाद संबंधित जनपद में स्थापित डैशबोर्ड के माध्यम से तैनात महिला कर्मचारी पीड़िता से संपर्क कर उसकी समस्या को समझती है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराती है। यह हेल्पलाइन 24×7 सक्रिय रहती है, जहां घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रही महिलाओं को त्वरित सहायता मिलती है। साथ ही पीड़ित महिलाओं को मनोवैज्ञानिक, कानूनी और सामाजिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है।

2025-26 में शिकायतों का सौ फीसदी निस्तारण

इलाज व राशन दिलाने में भी मदद की हेल्पलाइन ने

आंकड़ों पर नजर डाले तो महिला हेल्पलाइन 181 पर 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक 85 हजार से ज्यादा शिकायतें आई। इनमें अधिसंख्य शिकायतें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, साइबर क्राइम, मारपीट से जुड़ी थीं। कुछ ऐसे भी मामले थे, जिनमें महिलाओं ने अस्पताल में इलाज के लिए या जमीन-जायदाद से जुड़े प्रकरणों में मदद मांगी। राशन दिलाने में मदद के लिए भी कई महिलाओं ने हेल्पलाइन से संपर्क किया। ये सभी मामले निस्तारण के लिए सम्बंधित विभागों को ट्रांसफर किए गए। उल्लेखनीय यह है कि हेल्पलाइन इन सभी मामलों का संतुष्टिपरक निस्तारण करने में सफल रही।

संस्कृत बोर्ड परीक्षा में मुलायम सिंह यादव को आई थर्ड रैंक

10वीं में कन्नौज की सृष्टि और 12वीं में प्रतापगढ़ के रजनीश यादव बने टॉपर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का रिजल्ट शुक्रवार को घोषित हो गया। पूर्व मध्यमा द्वितीय (10वीं) में कन्नौज की सृष्टि दीक्षित 94.43% अंक पाकर प्रदेश टॉपर बनीं।

94.29% अंकों के साथ खुशबू सरोज सेकंड टॉपर बनीं। मुलायम सिंह यादव और प्रियंका सरोज को 93.29%-93.29% अंक मिले। दोनों संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर रहे। ये तीनों प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) में रजनीश यादव ने 89.36% अंक पाकर प्रदेश टॉप किया। 85.64% अंक के साथ वंशिका श्रीवास्तव दूसरे स्थान पर हैं। 85.43%-85.43% अंक पाकर

काजल और संस्कृति तीसरे नंबर पर रहीं। रजनीश, वंशिका और काजल प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। संस्कृति अमरोहा की रहने वाली हैं।

पूर्व मध्यमा द्वितीय परीक्षा में कुल 21,915 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। उनमें 21,107 संस्थागत व 808 व्यक्तिगत परीक्षार्थी थे। कुल 16,615 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। उनमें 15,941 संस्थागत व 674 व्यक्तिगत थे। 14,429 संस्थागत और 600 व्यक्तिगत कुल 15,029 परीक्षार्थी पास हुए।

एक साथ जारी हुआ रिजल्ट

परिषद की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम (कक्षा 11) और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) सभी कक्षाओं का रिजल्ट एक साथ जारी किया गया। परीक्षाफल लखनऊ स्थित शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय से घोषित किया गया। छात्र अपना रिजल्ट परिषद की आधिकारिक वेबसाइट www.upmssp.com पर ऑनलाइन देख सकते हैं। इस वर्ष संस्कृत बोर्ड की परीक्षा प्रदेश के 241 केंद्रों पर 19 फरवरी से 28 फरवरी के बीच कराई गई थी।

चर्चा : विभिन्न राज्यों के शिक्षा विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और प्रशासकों के बीच उत्तर प्रदेश का मॉडल को लेकर विमर्श

एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में छाया रहा शिक्षा का 'योगी मॉडल'

यूपी की शिक्षा नीति बनी चर्चा का केंद्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। देश में शिक्षा सुधार को लेकर आयोजित एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में उत्तर प्रदेश का 'योगी मॉडल' प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया। सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन (सीएसएफ) द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय मंच पर बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलावों को रेखांकित किया।

कॉन्क्लेव में मूल्यांकन प्रणाली को भी सुधार के दृष्टिकोण से विकसित परख, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएनएल), प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और

- अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रखा उत्तर प्रदेश का पक्ष, कहा- स्पष्ट लक्ष्य और मजबूत क्रियान्वयन से मिले परिणाम'
- स्पष्ट लक्ष्य, सतत मूल्यांकन और सशक्त शिक्षक बने बदलाव की आधारशिला
- मूल्यांकन को दंड नहीं, सुधार का माध्यम बनाने पर जोर दे रही योगी सरकार

एडटेक के उपयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत राज्यों के अनुभवों और सफल मॉडलों को साझा किया गया। मूल्यांकन प्रणाली को सुधारात्मक दृष्टिकोण के साथ विकसित करते हुए इसे पुरस्कार या दंड के बजाय अधिगम की कमियों की पहचान और उनके समाधान के प्रभावी उपकरण के रूप में उपयोग किया जा रहा है, जिससे वास्तविक सीखने के परिणामों पर फोकस बढ़ा है।

योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया

इस दौरान एसीएस श्री शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार को स्पष्ट लक्ष्य, सतत मूल्यांकन और सशक्त शिक्षक के आधार पर आगे बढ़ाया गया है। राज्य में 'लक्ष्य' आधारित शिक्षण, निरंतर आकलन और शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण ने शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी है। योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उन्हें जमीन पर परिणाम में बदला गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिला है।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को सहयोग देने और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर प्रदेश सरकार ने विशेष जोर दिया है। एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) जैसे मेंटर कैडर, संकुल बैठकों के माध्यम से संवाद और 'तालिका' के जरिए छात्रों की प्रगति की नियमित निगरानी ने सिस्टम को अधिक जवाबदेह और परिणाममुखी बनाया है।

उज्बेकिस्तान की महिला पकड़ी गई

लखनऊ। लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में घूम रही उज्बेकिस्तान की एक महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जांच में महिला का बताया गया नाम फर्जी निकला। उसके पास मिला वीजा भी फर्जी है। पुलिस ने विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया- 21 मार्च की सुबह करीब 8:30 बजे पुलिस गश्त के दौरान पानदरीबा स्थित अवध ट्रैवल्स के पास एक विदेशी महिला सड़क किनारे खड़ी मिली। महिला को देखकर राहगीर रुकते, उससे कुछ पूछते और आगे बढ़ जाते थे। संदिग्ध परिस्थिति को देखते हुए पुलिस ने महिला हेल्प डेस्क से महिला आरक्षी को बुलाकर पूछताछ कराई। भाषा अलग होने के कारण महिला से स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। महिला ने खुद को उज्बेकिस्तान की निवासी बताते हुए नाम मुबीना बताया। पुलिस उसे महिला मिशन शक्ति केंद्र लेकर पहुंची और एलआईयू तथा एफआरआरओ (विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय) को सूचना दी।

हज-2026: तीसरी उड़ान से 425 हज यात्रियों का हुआ सफल प्रस्थान

प्रदेश के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं की बढ़ती भागीदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज-2026 के अंतर्गत हज यात्रियों के प्रस्थान का क्रम सुचारु रूप से जारी है। इसी क्रम में लखनऊ उड़ान स्थल से तीसरी उड़ान संख्या एक्स0वाई0-8086 दिनांक 24 अप्रैल 2026 को रवाना हुई, जिसमें कुल 428 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर गए। इन यात्रियों में 223 पुरुष एवं 205 महिलाएं शामिल हैं।

इस उड़ान में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में हज यात्री सम्मिलित हुए, जिनमें सर्वाधिक लखनऊ से 65, बरेली से 55, कानपुर नगर से 44 तथा बाराबंकी

- यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेट हज इंस्पेक्टर तैनात

से 41 यात्री शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बिहार राज्य के 04 हज यात्रियों सहित अन्य राज्यों दिल्ली एवं मध्य प्रदेश से भी इसी उड़ान से रवाना हुए। हज यात्रियों की यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रियों की सहायता हेतु तीन स्टेट हज इंस्पेक्टर-श्री मो0 सद्दाम हुसैन (गोण्डा), श्री मुजाहिद अली (शाहजहांपुर) एवं श्री शाहिद नूर अंसारी (बलरामपुर)-को इस उड़ान के साथ भेजा गया है।

युवक ने प्रेमी बताकर किया हंगामा, पुलिस पहुंची, थाने में दिनभर चली पंचायत, शांतिभंग में चालान

विदाई के बाद रोकी दुल्हन की कार

हंगामा

- अयोध्या से आई थी बारात
- पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाया
- समझौते के बाद मामला शांत

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । शादी के बाद विदाई के दौरान हंगामे का मामला सामने आया है। दुल्हन की कार को कुछ युवकों ने रास्ते में रोक लिया। एक युवक ने खुद को दुल्हन का प्रेमी बताते हुए उसे अपने साथ ले जाने की जिद की। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

अयोध्या के गोसाईंगंज क्षेत्र के नया बारा गांव से बुधवार को बारात अलीगंज थाना क्षेत्र के सैदपुर रज्जीपुर गांव पहुंची थी। रात भर विवाह की सभी रस्में पूरी हुईं। गुरुवार सुबह विदाई के बाद दूल्हा दुल्हन को कार से लेकर ससुराल के लिए निकला।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले गई। वहां दिनभर पंचायत चलती रही। मामले को लेकर कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई।

रास्ते में रोकी गई कार

घर से कुछ दूरी पर ही बाइक सवार युवक पहुंच गए। उन्होंने कार के आगे बाइक लगाकर वाहन रोक लिया। इस दौरान एक युवक ने दुल्हन को अपना प्रेम संबंध बताते हुए साथ ले जाने की कोशिश की।

दोनों पक्षों के लोग मौके पर जुट गए। विवाद बढ़ने पर जमकर हंगामा हुआ।

पुलिस का बयान

थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह के अनुसार, दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है। किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। आरोपी युवक का शांतिभंग में चालान किया गया है।

> दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से समझौता कराया गया। सामान का लेन-देन भी किया गया। पुलिस ने गोविंदपुर गांव निवासी आरोपित रणविजय के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की।

होमगार्ड लिखित परीक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक

अम्बेडकरनगर । होमगार्ड एनरोलमेंट–2025 की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने की। इसमें अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी समेत सभी सेक्टर, जोनल और स्टेटिक मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों को परीक्षा से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं।परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित होगी। हर दिन दो पालियों में परीक्षा कराई जाएगी।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षकों का चयन शुरू

31 मार्च 2027 तक रहेगा कार्यकाल, 4000 रुपये मासिक मानदेय

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । आउट ऑफ स्कूल बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्रों पर विशेष प्रशिक्षकों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह जानकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई स्कूल शिक्षा विभाग और समग्र शिक्षा के निर्देशों के तहत की जा रही है।

विशेष प्रशिक्षक के लिए आवेदन फार्म विद्यालय, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रधानाध्यापक इनका प्रदर्शन सुनिश्चित करेंगे।

अभ्यर्थियों को आवेदन की एक प्रति विद्यालय स्तर पर और दूसरी प्रति खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय

में जमा करनी होगी। चयन प्रक्रिया विद्यालय प्रबंध समिति की चार सदस्यीय उपसमिति द्वारा पूरी की जाएगी। जहां पांच से अधिक आउट ऑफ स्कूल बच्चे चिन्हित होंगे, वहां एक विशेष प्रशिक्षक नियुक्त किया जाएगा।

वॉलंटियर के लिए संबंधित ग्राम पंचायत का निवासी होना जरूरी है।

आयु सीमा 1 जुलाई 2026 को न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष निर्धारित की गई है।

चयनित विशेष प्रशिक्षकों को 4000 रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाएगा। यह राशि विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा वहन की जाएगी। इनकी नियुक्ति 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी।

> चयन में सबसे पहले सेवानिवृत्त शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी। उनकी अनुपलब्धता में वॉलंटियर का चयन होगा। वॉलंटियर के लिए डीएलएड, बीटीसी या बीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता मिलेगी। यदि ऐसे अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते, तो स्नातक उम्मीदवारों पर विचार किया जाएगा। चयन पूरी तरह मेरिट के आधार पर होगा।

फास्ट न्यूज

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव को दी गई विदाई

अम्बेडकरनगर । अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) श्याम देव का स्थानांतरण हो गया है। उनका उपसेनानायक 12वीं वाहिनी पीएसी फतेहपुर के पद पर तबादला किया गया है। स्थानांतरण के बाद पुलिस विभाग की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और विभिन्न जिम्मेदारियों के सफल संचालन में उनके योगदान की चर्चा की गई।

सुपर स्पेशलिस्ट मेगा मेडिकल कैम्प 26 अप्रैल को

अम्बेडकरनगर । टांडा क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के लिए सुपर स्पेशलिस्ट फ्री मेगा मेडिकल एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 26 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक हंसवर रोड, चिंतौरा स्थित शानू बिल्डिंग मैटेरियल पर लगेगा।

यह आयोजन हेल्प प्वाइंट एनजीओ और एसएस एजुकेशनल सोसायटी द्वारा पूर्वांचल मेडिसिटी हॉस्पिटल के सहयोग से किया जा रहा है। शिविर में मरीजों का निःशुल्क इलाज और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मामूली विवाद पर दुकान में लगाई आग

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक मामूली विवाद ने देर रात गंभीर रूप ले लिया। बताशे और पपड़ी को लेकर शुरू हुई कहासुनी के बाद कुछ युवकों ने एक दुकान में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है। यह घटना लखनऊ के चिनहट-देवा मार्ग पर स्थित प्रस्तावित माती थाना क्षेत्र के चकहार चौराहे की है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा आज से नौ केंद्रों पर होगी परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। होमगार्ड भर्ती परीक्षा शनिवार से शुरू हो रही है। जिले में इसके लिए नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा तीन दिन तक चलेगी। इसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है।

25 से 28 अप्रैल तक विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों का आवागमन रहेगा। इसे ध्यान में रखते हुए परिवहन निगम ने विशेष तैयारी की है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा।

अकबरपुर डिपो से कुल 50 बसों के संचालन की योजना बनाई गई है। जरूरत पड़ने पर बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। साथ ही अतिरिक्त बसें भी तैयार रखी गई हैं।

परिवहन व्यवस्था मजबूत, 50 बसों के संचालन की तैयारी

प्रयागराज, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, शाहगंज-जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़-मऊ, अयोध्या, लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, बस्ती और गोंडा सहित कई प्रमुख मार्गों पर बसें चलाई जाएंगी।

किस मार्ग पर कितनी बसें चलेंगी, इसका विस्तृत चार्ट तैयार किया जा रहा है। बसों के नंबर और उनके रूट की जानकारी समय-समय पर जारी की जाएगी। इससे अभ्यर्थियों को यात्रा में सुविधा मिलेगी। स्टेशन इंचार्ज लक्ष्मी सिंह के अनुसार, परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। 15 बसों को रिजर्व में रखा गया है, जिन्हें जरूरत के अनुसार चलाया जाएगा।

25 से 27 अप्रैल तक भारी वाहनों का डायवर्जन लागू

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के चलते सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक रहेगा प्रतिबंध

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2025-26 को लेकर 25, 26 और 27 अप्रैल को विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। इन तीनों दिनों में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। यह व्यवस्था परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए लागू की गई है। आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट दी गई है।

आजमगढ़ और बसखारी से अयोध्या जाने वाले भारी वाहन न्यौतरिया बाईपास से गोहन्ना चौराहा होते हुए अन्नावा मार्ग से जाएंगे।अयोध्या से आने वाले वाहनों के लिए भी यही रूट निर्धारित किया

गया है।बस्ती और टाण्डा से अकबरपुर आने वाले भारी वाहनों को कटरिया याकूबपुर से डायवर्ट किया जाएगा।शहर क्षेत्र में मालीपुर रोड, जलालपुर रोड, बसखारी रोड, टाण्डा रोड समेत प्रमुख बाईपास मार्गों पर डायवर्जन प्रभावी रहेगा।

अकबरपुर से टाण्डा जाने वाले भारी वाहनों को धरमनगर पुल से एनएच 233 की ओर मोड़ा जाएगा। कश्मिरिया, चिन्तौरा और धुरहिया क्षेत्रों में हल्के और भारी दोनों प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

परीक्षा के दौरान भीड़ और जाम की स्थिति से बचने के लिए यह योजना बनाई गई है। प्रमुख चौराहों और मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। डायवर्जन मार्गों पर संकेतक भी लगाए जाएंगे ताकि वाहन चालकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अतिरिक्त जिलाधिकारी ज्योत्सना बंधु और अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेन्द्र कुमार ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

बंदरों के बढ़ते आतंक पर जिला स्तरीय समिति गठित

हॉटस्पॉट चिन्हित होंगे, हेल्पलाइन से होगी त्वरित कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बंदरों के कारण बढ़ रही घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह निर्णय उच्च न्यायालय और शासन के आदेशों के अनुपालन में लिया गया है। समिति की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। विभिन्न विभागों के अधिकारी और नामित प्रतिनिधि इसमें सदस्य होंगे।

समिति का मुख्य कार्य शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में उन स्थानों की पहचान करना है, जहां बंदरों की समस्या अधिक है। नगर निकाय और ग्राम पंचायतों के सहयोग से ऐसे हॉटस्पॉट चिन्हित किए जाएंगे। इसके बाद इन क्षेत्रों में विशेष निगरानी और नियंत्रण की कार्रवाई की जाएगी।

बंदरों से जुड़ी शिकायतों के लिए

हेल्पलाइन स्थापित की जाएगी। नागरिक अपनी समस्या सीधे दर्ज करा सकेंगे। शिकायत मिलते ही संबंधित टीम मौके पर कार्रवाई करेगी। इससे घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव होगा।

प्रशिक्षित टीमों और संस्थाओं की मदद से बंदरों को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जाएगा। पकड़े गए बंदरों को आबादी से दूर उपयुक्त वन क्षेत्रों में छोड़ा जाएगा। इस प्रक्रिया में वन विभाग का समन्वय रहेगा, ताकि जनसुरक्षा बनी रहे।

नगर निकायों को प्रभावी कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कई इंटर कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में लहराया परचम

बोर्ड परीक्षा परिणाम में छात्रों का शानदार प्रदर्शन

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर । यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम 2026 घोषित होने के बाद विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिले के कई इंटर कॉलेजों में टॉप रैंक और उच्च प्रतिशत अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने विद्यालयों का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही स्कूलों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

लारपुर स्थित सरदार पटेल स्मारक इंटर कॉलेज के छात्रों ने दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट में वंदना वर्मा ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान हासिल किया। हाईस्कूल में चांदनी ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया।

> परिणाम घोषित होने के बाद सभी विद्यालयों में खुशी का माहौल रहा। मेधावी छात्रों को शिक्षकों द्वारा बधाई दी गई। स्कूल प्रशासन ने कहा कि छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह परिणाम संभव हुआ है।

मुस्कान मौर्या और अनुराग पाल ने भी उच्च अंक प्राप्त किए। इटौरी बुजुर्ग स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में आंचल वर्मा ने 88.53 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इंटरमीडिएट में अनुष्का ने 80 प्रतिशत अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक हासिल कर स्कूल का मान बढ़ाया।

न्यू लाइट एकेडमी इंटर कॉलेज की उपलब्धि

सिकंदरपुर स्थित न्यू लाइट एकेडमी इंटर कॉलेज के छात्रों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। हाईस्कूल में ऋषभ ने 87 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट में उत्कर्ष ने 91.8 प्रतिशत अंक हासिल कर जनपद में छठा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा वैष्णवी उपाध्याय, सौम्या चौरसिया और अन्य छात्रों ने भी उच्च अंक प्राप्त किए।

शिव जी कुशलावती इंटर कॉलेज का प्रदर्शन

पलई कल्याणपुर स्थित शिव जी कुशलावती इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार परिणाम दर्ज किए। हाईस्कूल में आर्य सिंह ने जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि आयुषी वर्मा ने दसवां स्थान हासिल किया। इंटरमीडिएट में चौधरी हर्ष सिंह ने 85 प्रतिशत, शिव शांत ने 84 प्रतिशत और आकाश ने 82.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय प्रशासन ने इसे सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया।

रामनगर बाजार में करंट से कपड़ा व्यवसायी की मौत

गुरुवार देर रात घर में बिजली ठीक करते समय हादसा, अस्पताल में मृत घोषित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अंबेडकरनगर । जिले के आलापुर थाना क्षेत्र स्थित रामनगर बाजार (सिपाह) में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में कपड़ा व्यवसायी दीपचंद अग्रहरि (34) की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह अपने किराये के मकान में बिजली की लाइन ठीक कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार दीपचंद अग्रहरि रात करीब 11 बजे कमरे में बिजली की तार की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर देखते हुए

डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

परिवार में 20 अप्रैल को दीपचंद के छोटे भाई अभिषेक अग्रहरि की शादी हुई थी। घर में हाल ही में हुए इस विवाह के चलते खुशी का माहौल था। शादी के महज तीन दिन बाद हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक दीपचंद अग्रहरि रामनगर बाजार में कपड़े का व्यवसाय करते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार वह मिलनसार स्वभाव के थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान थी। अचानक हुई इस घटना से व्यापारिक समुदाय में भी शोक की लहर है।

घटना की सूचना पर अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। कई स्थानीय व्यापारी और सामाजिक लोग भी मौके पर पहुंचे। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दीपचंद अग्रहरि के निधन पर व्यापारिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

पंचायत चुनावः निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन अब 10 जून को

संशोधित कार्यक्रम के तहत पुनरीक्षण प्रक्रिया जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन की तिथि में बदलाव किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार संशोधित कार्यक्रम के तहत अब मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 जून 2026 को किया जाएगा। यह निर्णय राज्य निर्वाचन आयोग के 17 अप्रैल 2026 के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।

निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं के डुप्लीकेशन हटाने और कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया 21 अप्रैल से 28 मई 2026 तक चलेगी। इसके बाद 29 मई से 9 जून तक मतदान केंद्रों का क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग, मतदाता क्रमांक निर्धारण, एसवीएन आवंटन और मतदाता सूची की तैयारी से जुड़े कार्य पूरे किए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने

संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संशोधित कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। सभी निर्धारित कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, इस पर विशेष जोर दिया गया है। निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि तय समय सारिणी के अनुसार सभी कार्य पूर्ण किए जाएं, ताकि अंतिम प्रकाशन समय पर किया जा सके।

निर्देश : कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक, एंबुलेंस रिस्पांस टाइम सुधारने पर विशेष जोर

सीडीओ ने विकास योजनाओं की समीक्षा की

- जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों से कहा गया कि योजनाओं को समय पर पूरा कर जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जनपद में विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न योजनाओं की योजनावार प्रगति की विस्तार से

जांच की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी योजनाओं में सुधार लाते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए दुग्ध समितियों के गठन की प्रगति की भी समीक्षा हुई। लक्ष्य के अनुरूप समितियों का गठन पूरा करने और निष्क्रिय समितियों को पुनर्गठित कर उन्हें फिर से सक्रिय बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में गौशालाओं की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा हुई। गर्मी और लू से बचाव के लिए जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सुपुर्दगी योजना के तहत अधिक से अधिक गोवंश पशुपालकों को उपलब्ध कराने पर बल दिया गया, ताकि गौशालाओं पर दबाव कम हो और पशुओं की बेहतर देखभाल हो सके।

एंबुलेंस सेवाओं पर फोकस, रिस्पांस टाइम सुधारने के निर्देश

बैठक के दौरान एंबुलेंस सेवाओं की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि रिस्पांस टाइम में सुधार प्राथमिकता पर होना चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं होगी। संबंधित कार्यदायी संस्था को चेतावनी दी गई कि यदि तय मानकों के अनुसार सुधार नहीं हुआ तो नोटिस जारी किया जाएगा।

जननी सुरक्षा योजना में शत-प्रतिशत भुगतान पर जोर

स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जननी सुरक्षा योजना के तहत सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर और पूर्ण भुगतान सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लंबित भुगतान को तुरंत निपटाने के लिए कहा गया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत जागरूकता अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एंटी रोमियो टीम और पुलिस बल द्वारा लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

थाना बेवाना क्षेत्र में बालिकाओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।थाना टांडा में छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बारे में जागरूक किया गया। थाना अलीगंज में महिलाओं को सरकारी योजनाओं और सुरक्षा हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। थाना सम्मनपुर में 1090, 181, 112, 102, 108, 1098, 1930 और 101 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।थाना अहिरौली क्षेत्र में भी महिलाओं को सुरक्षा उपायों और योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि छेड़छाड़, साइबर अपराध, घरेलू हिंसा या किसी भी आपात स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जाए। साथ ही किसी भी घटना की सूचना बिना देरी पुलिस को देने की अपील की गई।

सम्पादकीय

शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने के बाद यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का भी रिजल्ट आ गया। कुछ अन्य बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी आ चुके हैं। जो परिणाम अभी तक आए हैं, उनमें प्रतिभाशाली छात्रों की बड़ी संख्या दिख रही है। वे बधाई और प्रशंसा के पात्र बनने के साथ अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रहे हैं। यह स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि क्या देश में वैसी प्रतिभाओं का विकास हो रहा है, जैसी आज के युग में आवश्यक हैं और जो देश के वैज्ञानिक एवं तकनीकी उत्थान में सहायक बन सकें?

हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वैसी गुणवत्तापरक शिक्षा नहीं दी जा पा रही है, जैसी समय की मांग है। एक समस्या यह भी है कि बड़ी संख्या में छात्र विदेश पढ़ने के लिए जाते हैं। उच्च शिक्षा के लिए पश्चिमी देशों के साथ विकासशील देशों में भी पढ़ने जाने का चलन बढ़ा है। आखिर ऐसा क्यों है, इस पर न केवल गहनता से विचार होना चाहिए, बल्कि उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते ऐसा हो रहा है। इसी के साथ यह भी देखना होगा कि शिक्षा संस्थानों में शोध एवं विकास की गुणवत्ता कैसे बढ़े।

भारत शोध पत्रों की संख्या के मामले में तो तीसरे स्थान पर है, लेकिन उनकी गुणवत्ता के पैमाने पर कहीं पीछे है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारत अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत भी शोध पर खर्च नहीं करता, जबकि कई विकासशील देश 4-5 प्रतिशत तक करते हैं। शिक्षा संस्थानों में उन्नत प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण का अभाव भी गुणवत्तापूर्ण शोध में बाधक बन रहा है। यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है। इसका एक उदाहरण निजी स्कूलों की मनमानी का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से संज्ञान लिया जाना है। आयोग ने यह पाया कि प्राइवेट स्कूल छात्रों और अभिभावकों पर इसके लिए दबाव बनाते हैं कि वे निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदें। आयोग ने इसे लेकर सभी राज्यों को नोटिस जारी की है। कहना कठिन है कि इस कदम के कोई सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे या नहीं? जो भी हो, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी देखना चाहिए कि स्कूली स्तर पर कोचिंग संस्कृति जिस तरह फलती-फूलती जा रही है, वह कोई शुभ संकेत नहीं। पहले प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुरू हुई कोचिंग ने एक उद्योग का रूप लिया। अब स्कूली शिक्षा की कोचिंग भी एक उद्योग बन चुकी है। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं।

प्राविधिक शिक्षा विकसित भारत और स्वर्णिम उत्तर प्रदेश के निर्माण की आधारशिला

> इस राष्ट्रीय संकल्प को धरातल पर उतारने में उत्तर प्रदेश की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

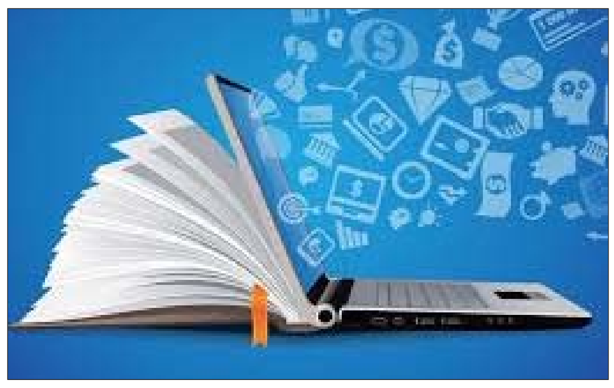

आधुनिक विश्व के इतिहास में शिक्षा सदैव से ही प्रगति का एकमात्र माध्यम रही है, परंतु इक्कीसवीं सदी में शिक्षा की परिभाषा और उसकी प्रासंगिकता ने एक नया मोड़ लिया है। आज का युग केवल साक्षरता का नहीं, बल्कि तकनीकी सक्षमता और कौशल का है। सूचना और संचार क्रांति के इस दौर में प्राविधिक शिक्षा (ज्मबीदपबंस म्कनबंजपवद) किसी भी राष्ट्र की प्रगति तय करने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरी है। भारत, जो आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है, अपनी इस अपार जनशक्ति को 'जनसांख्यिकीय लाभांश' में बदलने के लिए प्राविधिक शिक्षा को ही एकमात्र मार्ग के रूप में देख रहा है। विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और फार्मेसी जैसे क्षेत्रों में दी जाने वाली यह व्यावहारिक शिक्षा केवल डिग्रियों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह वह सामर्थ्य है जो एक सामान्य युवा को वैश्विक स्तर के नवाचार (प्ददवअंजपवद) और समस्या-समाधान की क्षमता से लैस करती है। यदि हम भारत को 2047 तक एक 'विकसित राष्ट्र' के रूप में लाने के लिए तकनीकी संस्थानों और वहां दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार बनाये रखना होगा। प्राविधिक शिक्षा की महत्ता केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भरता के उस सपने को साकार करने का माध्यम है, जिसका आह्वान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है।

राज्य सरकार ने यह भली-भांति समझा है कि बिना तकनीकी कौशल के किसी भी बड़े औद्योगिक निवेश को सफलता के शिखर तक नहीं पहुँचाया जा सकता। उत्तर प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में जो क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वर्णिम भविष्य के द्वार खोल रहे हैं। योगी सरकार का विजन 'शिक्षा को सीधे उद्योग' (म्कनबंजपवद जव प्दकनेजतल) से जोड़ने का है। इसी कड़ी में राज्य के 150 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (प्ज्प्) का उन्नयन टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। यह केवल भवनों का जीर्णोद्धार नहीं है, बल्कि यह पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं को 'इंडस्ट्री 4.0' की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास है। आज जब दुनिया रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (प्वज्) और 3डी प्रिंटिंग जैसी तकनीकों की ओर बढ़ रही है, तब उत्तर प्रदेश के युवा इन क्षेत्रों में प्रशिक्षित होकर वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हो रहे हैं। यह आधुनिक बदलाव उन युवाओं के लिए संजीवनी के समान है जो आर्थिक अभावों के कारण उच्च तकनीकी शिक्षा से वंचित रह जाते थे।

उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट जैसे शहरों में फैले इस कॉरिडोर को सफल बनाने के लिए जिस कुशल कार्यबल की आवश्यकता है, उसे तैयार करने की जिम्मेदारी प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को सौंपी गई है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इन औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास स्थित पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेज सीधे उन उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करें। इससे न केवल उद्योगों को तैयार वर्कफोर्स मिल रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं को अपने ही जनपद में सम्मानजनक रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का 'एक जनपद, एक उत्पाद' अभियान भी तकनीकी शिक्षा के बिना अधूरा रहता। पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें वैश्विक बाजार के योग्य बनाना प्राविधिक शिक्षा की ही देन है। राज्य सरकार ने तकनीक को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि सुदूर ग्रामीण अंचलों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित की है ताकि गाँव का युवा भी डिजिटल इंडिया का हिस्सा बन सके। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत प्रदेश के लाखों छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण करना केवल एक उपकरण का दान नहीं है, बल्कि यह छात्रों के हाथों में 'सूचनाओं का महासागर' सौंपने जैसा है। आज के समय में जब शिक्षा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर सिमट रही है, तब इन उपकरणों ने तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए नए अवसर खोले हैं। इसके साथ ही, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (।ज्ञज्न्) जैसे संस्थानों के माध्यम से नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को जिस प्रकार बढ़ावा दिया जा रहा है, उसने उत्तर प्रदेश को देश के शीर्ष स्टार्टअप केंद्रों की सूची में खड़ा कर दिया है। सरकार की मंशा साफ है कि युवा केवल नौकरी मांगने वाला न बने, बल्कि स्टार्टप्स के माध्यम से नौकरी देने वाला बने। 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' और तकनीकी शिक्षा के संगम ने प्रदेश में एक नया उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी प्राविधिक शिक्षा को और अधिक लचीला और समावेशी बनाया है। अब भाषा की दीवार तकनीकी शिक्षा के आड़े नहीं आएगी। योगी सरकार ने इस दिशा में अभूतपूर्व पहल करते हुए इंजीनियरिंग और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को मातृभाषा हिंदी में उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है। यह उन मेधावी छात्रों के लिए वरदान है जो अंग्रेजी भाषा की जटिलता के कारण अपनी तकनीकी प्रतिभा को प्रदर्शित नहीं कर पाते थे। शिक्षा का माध्यम सरल होने से शोध और अनुसंधान की मौलिकता बढ़ती है। साथ ही, कौशल भारत मिशन (ैापसस प्दकपं) के तहत अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लाखों युवाओं को 'स्किल सर्टिफिकेट' के माध्यम से रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ा है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने मिलकर राज्य के श्रम बल की गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन किया है।

उद्योगों की बदलती मांगों और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के बीच के अंतराल (ैापसस ळंच) को कम करना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। निजी तकनीकी संस्थानों को भी केवल व्यावसायिक दृष्टिकोण से ऊपर उठकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिकता पर ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए पर्याप्त बजट का आवंटन भी किया जा रहा है। भारत को 'सेमीकंडक्टर मिशन' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे भविष्यवादी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए छात्रों को इन विशिष्ट क्षेत्रों के लिए तैयार किया जा रहा है।

अमरेश कुमार

इस पहचान संख्या के...

आशिया खातून

फैमिली आईडी-एक परिवार, एक पहचान, योजना

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह सुनिश्चित करना कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ सही और पात्र लोगों तक समय पर पहुंचे, एक बड़ी चुनौती रही है। कई बार योजनाओं की उचित जानकारी, प्रक्रिया की जटिलता और पहचान संबंधी समस्याओं के कारण वास्तविक लाभार्थी इनसे वंचित रह जाते हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा "फैमिली आईडी एक परिवार, एक पहचान योजना" की शुरुआत की गई है। यह योजना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करके उन्हें सरकारी सेवाओं से सीधे जोड़ने का कार्य भी करती है। फैमिली आईडी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध क्रियान्वयन और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से प्रत्येक परिवार को एक यूनिक पहचान संख्या प्रदान की जाती है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और बिना किसी बाधा के उन तक पहुंच सके। यह योजना सरकारी सेवाओं को सरल और सुलभ बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जब किसी परिवार की समस्त

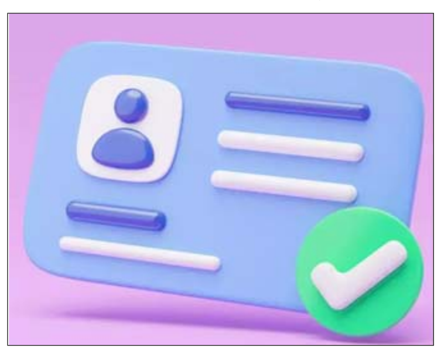

जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी, तो नागरिकों को बार-बार अलग-अलग विभागों में जाकर दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया तेज, सुगम और अधिक प्रभावी बनती है। फैमिली आईडी योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। इस पहचान संख्या के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी जैसे आय, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक स्थिति आदि एक ही डेटाबेस में संग्रहीत की जाती है। जिन परिवारों के पास पहले से राशन कार्ड उपलब्ध है, उनके लिए राशन कार्ड संख्या को ही फैमिली आईडी के रूप में उपयोग किया जा रहा है। वहीं जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है, उनके लिए अलग से फैमिली आईडी बनाने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए एक ऑनलाइन पोर्टल की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जहां परिवार स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं। प्रदेश में राशन कार्ड धारकों की संख्या लगभग 3.64 करोड़ परिवारों की है, जिनमें करीब 14.60 करोड़ लोग शामिल हैं। इन सभी परिवारों को इस योजना के अंतर्गत कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 31 मार्च 2026 तक लगभग 44,32,090 परिवारों की फैमिली आईडी बनाई जा चुकी है, जो इस योजना की सफलता और तेजी से हो रहे विस्तार को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश और केंद्र सरकार के 32 विभागों की 98 योजनाओं एवं सेवाओं को फैमिली आईडी डेटाबेस के साथ जोड़ा जा चुका है। राज्य के राशन कार्ड धारक परिवारों (3.64 करोड़ परिवार एवं 14.60 करोड़ व्यक्ति) कि राशन कार्ड संख्या ही उनकी फैमिली आई डी है फैमिली आईडी एक परिवार, एक पहचान योजना के अनेक लाभ हैं, जो इसे एक अत्यंत प्रभावी और नागरिक-केंद्रित पहल बनाते हैं। ये लाभ न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि आम जनता के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाने में सहायक हैं। इस योजना के तहत सभी डेटा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहता है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आती है। इससे भ्रष्टाचार और फर्जी लाभार्थियों की संभावना कम होती है तथा प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ती है। फैमिली आईडी के माध्यम से प्रदेश सरकार को यह स्पष्ट जानकारी उपलब्ध हो रही है कि कौन सा परिवार किस योजना के लिए पात्र है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक ही पहुंचे और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो। योजना के अंतर्गत विभिन्न सरकारी विभागों और उनकी सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है।

इससे नागरिकों को अलग-अलग विभागों में जाने की आवश्यकता नहीं होती है। और वे एक ही स्थान से अनेक सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

सर्वे एवं...

डॉ घनश्याम बादल

बंगाल और तमिलनाडु में भारी मतदान निहितार्थ

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 23 अप्रैल का दिन और बातों के लिए याद किया जाए ना किया जाए लेकिन इस बात के लिए ज़रूर याद किया जाएगा कि अब मतदाताओं की जागरूकता उच्चतम स्तर पर है। इसका स्पष्ट प्रमाण है तमिलनाडु एवं बंगाल में हुए उच्च मतदान का प्रतिशत। इतना ऊंचा मतदान प्रतिशत कम ही देखने को मिलता है तो इस उच्च मतदान प्रतिशत का आकलन भी लीक से हटकर ही होगा।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल दोनों ही राज्यों ने इस बार लोकतंत्र की किताब में एक लंबी रेखा खींच दी है। 80 प्रतिशत से ऊपर का मतदान केवल आंकड़ा नहीं होता. यह जनमानस की बेचैनी, उम्मीदों और राजनीतिक तापांक का प्रतीक है। तमिलनाडु में लगभग 82 से 85 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में करीब 89–90 प्रतिशत मतदान ने स्पष्ट कर दिया है कि यह चुनाव "रूटीन" चुनाव नहीं अपितु निर्णायक जनादेश है, टकरावपूर्ण है और परिणामों को लेकर असाधारण अनिश्चितता से भरा हुआ है।

तमिलनाडु की राजनीति पर नजर डालें तो यहाँ की परंपरा रही है कि सत्ता विरोधी लहर अक्सर चुपचाप बनती है और मतदान के दिन अचानक प्रकट होती है। इस बार का ऊँचा मतदान इसी संभावना को हवा देता है, लेकिन तस्वीर इतनी सीधी भी नहीं है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कडगम ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय अस्मिता के सहारे अपना एक ठोस आधार खड़ा किया है।

दूसरी ओर पलानी स्वामी की अगुवाई में विपक्ष ने संगठन, जातीय समीकरण और एंटी-इंकम्बेंसी को हथियार बनाया है। सवाल यह है कि 80 प्रतिशत से अधिक मतदान किसके पक्ष में झुका है? इतिहास बताता है कि तमिलनाडु में उच्च मतदान हमेशा सत्ता परिवर्तन का संकेत नहीं रहा, बल्कि कल्याणकारी राजनीति की स्वीकार्यता को भी पुष्ट करता है। महिलाओं, ग्रामीण मतदाताओं और लाभार्थी वर्ग की बड़ी भागीदारी सत्तारूढ़ पक्ष के लिए राहत का संकेत हो सकती है। यही वह "साइलेंट वोटर" है जो कैमरों से दूर रहता है लेकिन ईवीएम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। इसलिए इस चुनाव में सीधी लहर की बजाय "माइक्रो-स्विंग" निर्णायक भूमिका निभाएगा। तमिलनाडु में मुकाबला भले ही कड़ा हो लेकिन बढ़त सत्तारूढ़ खेमे की तरफ झुकी दिखती है। विभिन्न सर्वे एवं आकलनों के अनुसार द्रमुक गठबंधन को लगभग 120 से 145 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि अन्नाद्रमुक गठबंधन 80 से 105 सीटों के बीच सिमट सकता है। अन्य दल 5 से 10 सीटों के दायरे में रह सकते हैं। यह परिणाम किसी सुनामी का नहीं बल्कि एक नियंत्रित बढ़त का संकेत होगा जहाँ सत्ता विरोधी भावनाएं मौजूद हैं, पर वे निर्णायक रूप से सत्ता पलटने लायक नहीं बन पाईं।

नारी शक्ति वंदन की ओट में पहाड़ की राजनीतिक 'कुर्बानी'

उत्तराखंड के वर्तमान राजनैतिक विमर्श में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर एक अत्यंत जटिल और विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न हो गई है। एक ओर जहाँ महिला सशक्तिकरण का आकर्षक नारा बुलंद किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 'परिसीमन' की वह अदृश्य तलवार लटक रही है जो उत्तराखंड के पर्वतीय अस्तित्व को जड़ से काटने के लिए तैयार खड़ी है। दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जनहित के नाम पर राजनीति करने वाले नुमाइंदे असली खतरे को छिपाकर एक ऐसा 'नरेटिव' या विमर्श सेट कर रहे हैं, जिससे राज्य की भोली-भाली जनता पूरी तरह भ्रमित हो रही है। राज्य का सबसे बड़ा दुर्भाग्य उसका स्वार्थी राजनीतिक नेतृत्व है, जिसके लिए जनहित से ऊपर निजी स्वार्थ सिद्धि सर्वोपरि हो गई है। इस स्वार्थसिद्धि के लिए ये नेता अपनी पार्टी के राजनैतिक हितों को इस कदर प्राथमिकता दे रहे हैं कि राज्य के दीर्घकालिक हितों को दांव पर लगाने से भी उन्हें गुरेज नहीं है। इसी निजी और पार्टीगत लाभ के चक्रव्यूह में असली मुद्दे को महिला आरक्षण के नाम पर न केवल छिपाया जा रहा है, बल्कि जनता का ध्यान मूल संकट से भटकाया जा रहा है। यह सीधे तौर पर उत्तराखंड की जनता के साथ एक बड़ा राजनैतिक विश्वासघात है। नारी शक्ति वंदन विधेयक के साथ परिसीमन का जो फॉर्मूला तय किया गया था, उसके अनुसार देश भर में विधानसभा और लोकसभा की सीटों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित थी। यदि इस गणित को उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो राज्य की लोकसभा सीटें 5 से बढ़कर 8 और विधानसभा की सीटें 70 से बढ़कर 105 होनी थीं। यहाँ सबसे बड़ा पेच यह है कि यह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होना तय था।

जयसिंह रावत

जरा हटके

यह परिवर्तन उस...

डॉ. शैलेश शुक्ला

ना उम्र की सीमा हो, ना डिग्री का हो बंधन

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है जहाँ पारंपरिक मान्यताएँ तेजी से टूट रही हैं और उनकी जगह एक नई विचारधारा जन्म ले रही है जिसका मूल संदेश है—"ना उम्र की सीमा हो, ना डिग्री का हो बंधन।" लंबे समय तक यह माना जाता रहा कि किसी व्यक्ति की सफलता उसकी शैक्षणिक डिग्री, प्रतिष्ठित संस्थानों से प्राप्त प्रमाणपत्र और निश्चित आयु-सीमा के भीतर अर्जित उपलब्धियों पर निर्भर करती है लेकिन 2026 के इस परिवर्तित दौर में यह धारणा तेजी से अप्रासंगिक होती जा रही है। हाल के वर्षों में तकनीकी क्षेत्र में जो उथल-पुथल देखने को मिली है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि ज्ञान का स्रोत अब केवल विश्वविद्यालयों तक सीमित नहीं है और न ही प्रतिभा का आकलन केवल कागजी प्रमाणपत्रों के आधार पर किया जा सकता है। विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियाँ जैसे गूगल और माइक्रोसॉफ्ट अब अपने भर्ती मानकों में मौलिक परिवर्तन कर रही हैं जिसमें डिग्री की अनिवार्यता को समाप्त कर कौशल, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमता को प्राथमिकता दी जा रही है। यह परिवर्तन केवल कॉर्पोरेट रणनीति का हिस्सा नहीं बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक क्रांति का संकेत है जो आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक संरचना को पूरी तरह बदल सकती है। यह परिवर्तन उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब हम देखते हैं कि दुनिया भर में तकनीकी विकास, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा ने कार्य के स्वरूप को ही बदल दिया है। अब मशीनें केवल साधारण कार्य नहीं कर रहीं, बल्कि जटिल निर्णय-प्रक्रियाओं में भी भागीदारी निभा रही हैं। ऐसे में कंपनियों को ऐसे कर्मचारियों की आवश्यकता है जो केवल ज्ञान के

भंडार न हों बल्कि निरंतर सीखने की क्षमता रखते हों, बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें और नई समस्याओं का समाधान खोज सकें। इस संदर्भ में "टैलेंट वेलोसिटी" या सीखने की गति एक नया मानक बनकर उभरा है, जो यह निर्धारित करता है कि कोई व्यक्ति कितनी तेजी से नई तकनीकों और अवधारणाओं को आत्मसात कर सकता है। यह मानक पारंपरिक डिग्री आधारित प्रणाली से बिल्कुल अलग है, क्योंकि डिग्री एक स्थिर उपलब्धि है जबकि सीखने की गति एक गतिशील प्रक्रिया है जो समय के साथ निरंतर विकसित होती रहती है। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि अब अवसरों का दायरा व्यापक हो गया है। पहले जहाँ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश न पाने वाले छात्रों के लिए उच्च वेतन वाली नौकरियों के अवसर सीमित हो जाते थे, वहीं अब स्थिति बदल चुकी है। आज एक ऐसा युवा, जिसने किसी छोटे शहर से ऑनलाइन माध्यमों के जरिए कौशल अर्जित किया है, वह भी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकता है और करोड़ों का पैकेज प्राप्त कर सकता है। यह परिवर्तन सामाजिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इससे उन वर्गों को भी अवसर मिल रहा है जो पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था की सीमाओं के कारण पीछे रह जाते थे। साथ ही, यह व्यवस्था उन लोगों के लिए भी नई संभावनाएँ खोलती है जो किसी कारणवश जीवन के प्रारंभिक चरण में शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके, लेकिन बाद में अपने कौशल के आधार पर नई पहचान बनाना चाहते हैं। हालाँकि, इस परिवर्तन के साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आती हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ी चुनौती है—कौशल असमानता। जब कंपनियाँ केवल कौशल पर आधारित चयन करने लगती हैं तो उन लोगों के लिए स्थिति कठिन हो जाती है जो आवश्यक कौशल अर्जित नहीं कर पाते।

निष्ठा

किसी भी कार्य को सही ढंग से करने के लिये एकाग्रता नितांत आवश्यक है।एकाग्रता ध्यान लगाने से आती है । मानव मन बहुत चंचल होता है । हम जब पढ़ने लिखने आदि के लिये बैठते हैं और कुछ ही पल में यह चंचल मन पता नहीं कहां से कहां पहुंच जाता है। वह हमारे ज्ञान प्राप्ति में उचित परिणाम हाशिल नहीं होता हैं । हमने देखा होगा कि कुछ लोग को एक बार पढ़ने के बाद उस पेज को वापिस पढ़ने की ज़रूरत ही नहीं होती हैं । इसका कारण मन की एकाग्रता हैं । एक घटना प्रसंग मैं बाजार में नैतिकता, व्यवहार का सलीका, उच्च चरित्र, दिल की शुद्धि, व्यवहारिक बुद्धि , विश्वास, धीरज, प्रतिष्ठा, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा आदि - आदि खरीदने गया। इनको हर दूकान में पूछा बहुत ढूंढा पर इनमें से कुछ भी किसी भी प्रतिष्ठान में नहीं मिला । मेरे को देखकर किसी अनुभवी उम्रदराज ने समझाया कि ये सब तो अपने-अपने चरित्र में स्वनिर्मित गुण हैं । किसी भी दूकान में कैसे मिलेगी । उन्होंने कहा तुम स्वयं एक-एक को इनमें से प्रतिष्ठित करने, अपने व्यवहार में, अपने चरित्र आदि में मन में ठानो । तेरापंथ धर्मसंघ के कुछ चरित्र आत्मा अवधान करते हैं।वो बड़ी से बड़ी जोड़ या कठिन प्रश्नों आदि के जवाब आँखे बंद करके जवाब दे देते हैं। उन सभी के पीछे योगदान उनकी एकाग्रता का होता है । किसी काम को सच्चे मन से करना ही निष्ठा है । यह यह अद्भुत गुण जिस किसी में यह गुण होता है उसके लिए कहा जाता है कि उसमें काम की निष्ठा अक्षुण्ण होती है । जीवन मूल्यों का मूल आधार आचार है ।आचार का उद्गम यथा विचार, तथा आचार है। हम कह सकते हैं कि दोनों का पारस्परिक आधार है। इन्हीं से आगे सदाचार या दुराचार बनते हैं। वह चढ़ने के लिए आध्यात्मिक सोपान का होना आवश्यक है । आचार के साथ साथ श्रद्धा और निष्ठा भी होती हैं । हम बिना निष्ठा और श्रद्धा भटक सकते हैं । वह आधारहीन प्रतिस्पर्धा करने लगते हैं । जीवन की बगिया को यदि विकसित करना है तो उसे माली की तरह खाद-पानी से सिंचित करते रहें । जैसे स्वस्थ तन-मन के लिए नित प्रातः भ्रमण , आसन-प्राणायाम व व्यायाम तथा योगासन का आयाम हो । हमारे सुविचार सदा रहे। वह सहानुभूति व मिलनसारिता का व्यवहार, शान्त शुद्ध आचार, आशाओं का भण्डार आदि मन में सदा हो ।

> प्रदीप छाजेड़

फॉर्च्यूनर से फार्महाउस पहुंचे, कॉल की, फिर पिस्टल से सुसाइड किया

गोरखपुर क्लब संचालक के बेटे ने मुंह में गोली मारी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में अरबपति कारोबारी और हाईप्रोफाइल गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के बेटे अम्बरीश (40) ने सुसाइड कर लिया। अम्बरीश ने शुक्रवार को लाइसेंसी पिस्टल से अपने मुंह में गोली मार ली। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

अम्बरीश अपनी फॉर्च्यूनर से शुक्रवार सुबह 8 बजे अकेले फार्महाउस पहुंचे। वहां मोबाइल पर किसी से बात करते हुए ऊपरी मंजिल पर गए। साढ़े 8 से 9 बजे के बीच में उन्होंने खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर फार्महाउस के कर्मचारी भागकर पहुंचे। वहां उनका खून से लथपथ शव पड़ा था। हालांकि, परिवार का कहना है कि अम्बरीश अपनी पिस्टल साफ कर रहे थे। तभी गलती से गोली चल गई। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने बताया-24 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे अम्बरीश के छोटे भाई नितिन श्रीवास्तव ने फोन कर मौत की सूचना दी। बताया कि सुबह अम्बरीश फार्महाउस गए थे, तभी हादसा हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी में अम्बरीश अपनी फॉर्च्यूनर से आते और छत पर जाते दिखे थे। अमरीश गुरुवार रात खाना-खाने के बाद अपने सिविल लाइंस के घर में ही सो गए थे। शुक्रवार सुबह उठे और फार्महाउस जाने के लिए ड्राइवर को बुलाया था, लेकिन ड्राइवर नहीं आया। वह घर में ही एक घंटे तक टहलते रहे। फिर खुद ही फॉर्च्यूनर लेकर निकल गए। वहां पहुंचकर किसी को फोन किया। बात करते-करते तीसरी मंजिल पर चले गए। करीब साढ़े 8 से 9 बजे के बीच गोली की आवाज सुनकर कर्मचारी भागकर पहुंचे। वहां देखा तो अम्बरीश खून से लथपथ पड़े थे। गोली मुंह से बाहर निकली हुई थी।

अम्बरीश श्रीवास्तव, मृतक

अम्बरीश के पिता अतुल श्रीवास्तव शहर के बड़े कारोबारी हैं। उनका 'एके' के नाम से टेंट हाउस का कारोबार है। वह कायस्थों की श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अम्बरीश भी हाल ही में श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के महामंत्री चुने गए थे।

घर से 10 किमी दूर है फार्महाउस

अम्बरीश का घर पॉश इलाके सिविल लाइंस के पार्क रोड पर है। घर से 10km दूर कुसमी जंगल में उनका तीन मंजिला फार्महाउस है। यहां तीसरी मंजिल पर 3-4 कमरे हैं। आगे खाली हिस्से में छत है। गोदाम में टेंट और कुर्सी-मेज रखे जाते हैं। अम्बरीश दो भाई में बड़े थे। छोटा भाई नितिन उर्फ रानू भी बिजनेसमैन है।

2012 में हुई थी शादी, दो बेटे हैं

अम्बरीश की 2012 में दीपाली श्रीवास्तव से शादी हुई थी। उनके दो बेटे हैं- एक की उम्र 10 साल और दूसरे की 8 साल है। अम्बरीश टेंट हाउस बिजनेस के साथ ही ठेकेदारी भी करते थे।

दिग्गज नेताओं और VVIP लोगों के कार्यक्रम में इनके टेंट ही लगते हैं। अम्बरीश का गोरखपुर के तारामंडल रोड पर FIVE SENSES नाम से होटल भी है। इसमें बैंक्वेट और रेस्टोरेंट भी है।

पुलिस ने अम्बरीश के शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा। वहां भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, सहजनवा विधायक प्रदीप शुक्ला भी पहुंचे।

जनगणना प्रशिक्षण का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों के क्रम में जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी ने जॉइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी नवाबगंज सुश्री गुंजिता अग्रवाल के साथ सागर इंस्टीट्यूट, नवाबगंज में संचालित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं प्रशिक्षण गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति, तकनीकी व्यवस्था तथा प्रशिक्षकों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण को गंभीरता से लें तथा प्रत्येक बिंदु को भली-भांति समझकर ही फील्ड में कार्य करें, जिससे जनगणना कार्य शत-प्रतिशत शुद्धता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न हो सके।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता से ही सुनिश्चित होगी डिजिटल व त्रुटिरहित जनगणना-डीएम

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व में किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने प्रशिक्षण में मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग, डेटा एंट्री, सत्यापन प्रक्रिया तथा फील्ड में आने वाली चुनौतियों के समाधान संबंधी बिंदुओं की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में पेशेंट ने टेक्नीशियन को जड़ा थप्पड़

गोरखपुर। गोरखपुर के हॉस्पिटल में इलाज कराने आए पेशेंट ने एक्स-रे टेक्नीशियन को मार कर घायल कर दिया। आरोप है कि टेक्नीशियन ने उसे साइकेट्रिस्ट से इलाज कराने की सलाह दी थी। जिससे नाराज पेशेंट ने उसे जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। इतना ही नहीं अगले दिन फिर वह अपने भाई के साथ 5- 6 लोगों को लेकर पहुंचा और एक्स-रे रूम का दरवाजा बंद कर गाली-गलौज शुरू कर दी।

महिलाओं ने एसडीओ को कमरे में बंद किया

गाजीपुर। गाजीपुर में स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने समझाने के लिए एसडीओ प्रदीप सिंह मौके पर पहुंचे। गुस्साई महिलाओं ने एसडीओ प्रदीप सिंह से बात नहीं की। उन्होंने एसडीओ को कमरे में बंद करके बाहर से ताला लगा दिया।

महिलाओं ने स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर पुनः लगाने की मांग उठाई। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का ताला खुलवाया और एसडीओ को कमरे से बाहर निकाला। पुलिस की मौजुदगी में प्रदर्शन करती महिलाओं ने एसडीओ को समस्या के समाधान के लिए तीन दिन की मोहलत दी।

गोरखपुर दो पक्षों में विवाद, तलवार और चाकू से हमला

गोरखपुर। गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के कुस्मी बाजार रामजानकी मंदिर के पास करीब 9 बजे दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान तलवार और चाकू से एक पक्ष की तरफ से हमला कर दिया गया। जिसमे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कालीचरण, गोविंद, सोनू और एक गुड्डू का नाम शामिल है। कुस्मी मार्केट में ही इनका घर है।

किसानों ने नवागत कोतवाल का किया स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (भानू) के तत्वावधान में किसानों ने नवागत कोतवाल अमित सिंह भदौरिया का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम का नेतृत्व तहसील अध्यक्ष फतेहपुर दद्दन सिंह ने किया, जिसमें दर्जनों किसानों ने भाग लेते हुए कोतवाली पहुंचकर अन्न भेंट कर सम्मान व्यक्त किया।

इस अवसर पर किसानों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत करते हुए अपनी एकजुटता और सम्मान की भावना प्रकट की। किसानों का कहना था कि अन्नदाता होने के नाते वे अपने प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से बेहतर समन्वय की अपेक्षा रखते हैं, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ-साथ किसानों की समस्याओं का भी समाधान समय पर हो सके।

नवागत कोतवाल अमित सिंह भदौरिया ने किसानों को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाया कि उनके कार्यकाल में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि "मेरे रहते हुए किसानों को परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। थाना परिसर के द्वार किसानों के लिए हर समय खुले हैं। किसान बेझिझक आकर अपनी समस्याएं रख सकते हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस और किसान के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या को समय रहते सुलझाया जा सके और क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनी रहे।

फर्रुखाबाद में एलजेपी (आरवीपी) नेता के बाउंसर ने की फायरिंग, दोनों भागे, बुंदेलखंड हाईवे से गिरफ्तार

हर्ष फायरिंग में दुल्हन के जीजा को लगी गोली

तमसा संकेत, एजेंसी

कायमगंज । फर्रुखाबाद के एक मैरिज हॉल में हर्ष फायरिंग के दौरान दुल्हन के जीजा को गोली लग गई। गोली चलाने वाला लोक जन शक्ति पार्टी के नेता का बाउंसर था।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि द्वारचार की रस्म के दौरान जयमाल स्टेज से लगभग 50 मीटर की दूरी से फायरिंग हुई थी। गोली दुल्हन के जीजा के पेट में लग गई। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। विवाह स्थल पर लोगों की चीख-पुकार और भगदड़ मच गई। इसी भीड़ का फायदा उठाकर नेता और उसके साथ आए बाउंसर वहां से भाग निकले। लेकिन पुलिस ने करीब 200 किलोमीटर पीछा करके उन्हें बुंदेलखंड हाईवे पर दबोच लिया। यह पूरा मामला जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर कायमगंज थाना का है।

मोहल्ला जवाहरगंज के रहने वाले जय सक्सेना की शादी थाना नवाबगंज के बगयुना की सोनी से हो रही थी। जय के पिता प्रदीप सक्सेना बजरंग दल प्रभारी हैं। शादी समारोह में चिराग पासवान की पार्टी लोक जन शक्ति का राष्ट्रीय महासचिव पुरुषोत्तम सक्सेना अपने बाउंसरों के साथ आया था। वह उरई में प्रापर्टी डीलर का काम करता है और पूर्व में वह भाजपा का प्रदेश मंत्री भी रह चुका है।

गुरुवार रात मैरिज हॉल में पुरुषोत्तम अपने बाउंसरो के साथ जयमाल स्टेज से 50 मीटर की दूरी पर बैठा था। इसी दौरान एक बाउंसर की हर्ष फायरिंग में दुल्हन के जीजा गौरव सक्सेना के पेट में गोली लग गई। गोली लगते ही गौरव लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। जिससे वैवाहिक स्थल पर चीख-पुकार मच गई और भगदड़ की स्थिति बन गई।

गौरव सक्सेना

डॉक्टरों ने कानपुर अस्पताल रेफर किया

हर्ष फायरिंग में गोली लगने से घायल गौरव की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। लेकिन आंत में गोली फंसे होने के कारण डॉक्टरों ने उसे कानपुर के न्यू सिटी अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पर गौरव का ऑपरेशन होना है। हालांकि परिजनों ने शांति से शादी की सारी रस्में पूरी कराईं और शुक्रवार सुबह दुल्हन सोनी को विदा कर दिया।

निशाना बनाकर चलाई गई गोली

गौरव के साले रनवीर सक्सेना ने बताया कि घटना के समय शादी की लग्न की रस्म चल रही थी। उसी दौरान एक व्यक्ति ने अचानक गोली चला दी। रनवीर ने बताया कि गोली इधर-उधर नहीं चली थी, बल्कि सीधे निशाना बनाकर चलाई गई। रनवीर ने कहा कि उस समय जय के पिता प्रदीप सक्सेना खंभे के पास बैठे थे और कुछ लोग खंभे की आड़ में खड़े थे। वहीं उनके भाई भी पास में मौजूद थे। दरवाजे की रस्म के दौरान यह घटना हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

स्वच्छता जागरूकता रैली, वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

बरेली कॉलेज में पृथ्वी दिवस पर जागरूकता रैली एवं कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आज बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं नगर निगम, बरेली के संयुक्त तत्वावधान में, प्राचार्य ओपी राय, बरेली कॉलेज बरेली एवं प्रो. ए.पी. सिंह, निदेशक सेल्फ फाइनेंस कोर्सेज, बरेली कॉलेज बरेली के निर्देशन में स्वच्छता जागरूकता रैली, वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

यह रैली बरेली कॉलेज से प्रारंभ होकर चौकी चौराहा होते हुए लोहिया पार्क तक निकाली गई तथा पुनः कॉलेज परिसर में आकर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान छात्रों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने इस रैली में भाग लिया तथा मानव श्रृंखला बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त एनसीसी इकाइयों के कैडेट्स की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान लोहिया पार्क का उद्घाटन मेयर डॉ. उमेश गौतम के करकमलों द्वारा किया गया। यह पार्क "वेस्ट टू वंडर" थीम पर विकसित किया गया है, जो स्वच्छ भारत अभियान की प्रेरणा देता है। यह पार्क इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार कचरे का पुनः उपयोग कर सौंदर्यीकरण किया जा सकता है। साथ ही, पार्क में कचरे के पृथक्करण एवं उचित डस्टबिन के उपयोग के संबंध में भी महत्वपूर्ण संदेश दिए गए।कार्यक्रम में वृक्षारोपण भी किया गया तथा सभी उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। रैली के समापन अवसर पर छात्रों को पृथ्वी के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

डॉ. निष्ठा सेठ ने कहा कि पृथ्वी के संरक्षण में युवा पीढ़ी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रैली के समापन पर पर्यावरण विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. जसपाल सिंह ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे पर्यावरण अनुकूल कदम अपनाकर बड़े बदलाव ला सकते हैं।

पृथ्वी हमारा एकमात्र जीवनदायी ग्रह

डॉ. अनामिका अग्रवाल ने कहा कि पृथ्वी हमारा एकमात्र जीवनदायी ग्रह है, जिसकी सुरक्षा और संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी को पृथ्वी के संसाधनों का संतुलित उपयोग करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. गौरव भूषण ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यदि हम पृथ्वी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रखने का प्रयास करें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

नवरात्रि पर्व पर एमआईटी में नारी सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। वसंतिक नवरात्रि के पावन अवसर पर मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में मिशन शक्ति चरण–05 के अंतर्गत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नारी सम्मान, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता प्रसारित करना रहा।

कार्यक्रम निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. संजय माथुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं सक्रियता के साथ भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने चित्रांकन, प्रभावशाली नारों एवं वक्तव्यों के माध्यम से 'नारी शक्ति' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने समाज में महिलाओं की बदलती भूमिका, उनके अधिकारों तथा सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नारी का सम्मान एवं सुरक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है और जागरूकता इसके लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन साक्षी अहलूवालिया द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। आरती चौधरी, रूपल चौधरी, डॉ. मीनाक्षी वर्मा एवं बीसीए विभाग के आदित्य गोयल सहित कई सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विशेष रूप से आदित्य गोयल द्वारा सभागार की तकनीकी व्यवस्थाओं—प्रकाश, ध्वनि प्रणाली एवं अन्य संसाधनों—का सुचारु प्रबंधन किया गया, जिससे कार्यक्रम बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ। इस आयोजन में 50 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही।

बयान : 2027 या 2029 के चुनाव में दिखा देंगे, अगर हम भार लगते हैं तो एक बार कह दो

अब समझाने का वक्त नहीं : बृजभूषण सिंह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। 'आज सरकार की नजरों में हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। हम अनुपयोगी लगते हैं। अगर किसी को ऐसा लगता है कि हम भार बन चुके हैं तो बस एक बार कह दो कि हमारी जरूरत नहीं। 2027 में कह दो। 2029 में कह दो। जब भी मन करे आकर कह दो। हम दिखा देंगे कि हमारी उपयोगिता है या नहीं।'

चुनौती भरे लहजे में ये बातें कैसरगंज सीट से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को बिहार के भागलपुर में कहीं। यहां बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव के दौरान बृजभूषण सिंह ने मंच से क्षत्रियों को राजनीति में नजरअंदाज करने का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा- अब समय ज्यादा समझाने का नहीं रह गया है। अब समय अपनी ताकत पहचानने का है। ये हमारी गलती है कि जब-जब हमें दबाया गया, हम मौन रहे। यही वजह है कि हमें तवज्जो नहीं दी जाती। ये हमारी कमी है कि हम अपने महापुरुषों कुंवर सिंह, महाराजा देवी बक्श सिंह, झांसी की रानी, बिरसा मुंडा को उचित स्थान नहीं दिलवा सके। बृजभूषण ने कहा- संविधान निर्माण को लेकर भी गलत धारणा बनाई गई। संविधान सभा में 242 सांसद थे, केवल बाबा साहब भीमराव अंबेडकर नहीं थे। आज एक बार फिर बिहार की धरती पर खड़ा होकर जिम्मेदारी से कहता हूं कि उस समय संविधान सभा में बिहार के लोगों की संख्या सबसे अधिक थी। लेकिन, बिहारियों को श्रेय नहीं मिला।

बृजभूषण शरण सिंह ने बिहार के भागलपुर में बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव के दौरान क्षत्रियों को राजनीति में नजरअंदाज करने का मुद्दा उठाया।

'हमारा अपराध कि हम अपने महापुरुषों को सम्मान नहीं दिला सके'

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- देश की आजादी का श्रेय केवल कुछ लोगों तक सीमित कर दिया। कई क्रांतिकारियों को नजरअंदाज किया गया। झांसी की रानी, कुंवर सिंह, महाराजा देवी बक्श सिंह, बिरसा मुंडा, किसी को भी श्रेय नहीं दिया गया। सिर्फ एक ही नारा गूंजा- साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल। बृजभूषण ने एक दोहा पढ़ा- नहीं पाप का भागी केवल व्याध, केवल जो तटस्थ है, जो मौन है, समय लिखेगा उनका भी अपराध। उन्होंने कहा- उस समय समाज का मौन रहना घातक साबित हुआ। ये हमारा अपराध है कि हम अपने महापुरुषों को उनका उचित सम्मान न दिला सके।

'सरकारों की नजरों में आपका कोई अस्तित्व नहीं'

समाज से आत्ममंथन करने की अपील करते हुए बृजभूषण ने कहा- अगर आप भगवान राम के बताए रास्ते पर चले होते, बप्पा रावल के बताए रास्ते पर चले होते या महाराणा प्रताप के रास्ते पर चले होते, तो आज आप अनुपयोगी न होते। आज सरकारों की नजरों में आपका कोई अस्तित्व नहीं है।

बी०आर०जी० पब्लिक इण्टर कॉलेज का शानदार परिणाम

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बी०आर०जी० पब्लिक इण्टर कॉलेज, बरैय्या में इस वर्ष हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के परीक्षा परिणाम ने एक बार फिर उत्कृष्टता की मिसाल कायम की है। परिणाम घोषित होते ही पूरे विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों के चेहरों पर गर्व और संतोष साफ झलक रहा था। हाईस्कूल परीक्षा में छात्रा समृद्धि शुक्ला ने 94.83% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। उनके बाद प्रबल सोनी ने 94.33% अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि वान्या वर्मा ने 94% अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा सूर्यकांत मिश्रा (93.83%), आलोक कुमार रावत (92.3%), सचिन कुमार (92.16%), हर्ष सोनी (92%), श्रेया वर्मा (91.83%), अदिती जायसवाल (91.33%), हरिनाथ (90.83%), अल्का मौर्या (90.5%), शितांशु (90.33%) एवं नंदिनी कौशल (90%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

इण्टरमीडिएट में सिमरनप्रीत कौर ने मारी बाजी

इण्टरमीडिएट परीक्षा में सिमरनप्रीत कौर ने 92.2% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अर्शित पटेल (90.4%), खुशी पाण्डेय (90%), सत्यवान चौहान (89.4%), अरविन्द कुमार (88.6%), ऋषि सोनी (87.6%) एवं माही वर्मा (87.4%) ने भी शानदार अंक प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार वर्मा ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को माला पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

गुरुकुल में पीट-पीटकर बच्चे की हत्या

लखनऊ में 6 दिन पहले एडमिशन हुआ था, पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। 'दिव्यांश गुरुकुल की परंपरा के मुताबिक ढल नहीं पा रहा था, दिनभर शैतानी करता था। 3-4 दिनों से उसकी शैतानियां बढ़ गई थीं। मुझे चिढ़ होने लगी थी। तंग आकर मैंने उसे नंगे पांव घंटों धूप में खड़ा रखा। रातभर थप्पड़, चप्पल, लात-घूसों से पिटाई की। कपड़े उतरवाकर पीठ पर डंडे मारे।

उसकी पीठ पर लात मार दी, जिससे वह दूर जाकर गिरा। दीवार से सिर टकरा गया। फिर उसका मुंह दबाया, कई घूसें उसकी पीठ पर जड़ दिए। वह बेसुध हो गया। देखा तो दिव्यांश मर चुका था। फिर कार से शव कानपुर में महाराजपुर के गौरिया गांव स्थित उसके घर के बाहर छोड़कर भाग आया।'

ये कबूलनामा है लखनऊ के

रामानुज भागवत वेद विद्या पीठ के संचालक और महंत सौरभ मिश्रा उर्फ कन्हैया का। उसने 21 अप्रैल को 11 साल के बच्चे दिव्यांश की गुरुकुल में पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। आरोपी रिश्ते में बच्चे का मामा लगता है। 15 अप्रैल को ही पिता नरेंद्र कुमार द्विवेदी ने दिव्यांश का गुरुकुल में दाखिला कराया था।

गुरुवार को दिव्यांश के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी मूल निवासी छतरपुर सौरभ मिश्रा (27) और छतरपुर की ही गर्लफ्रेंड हर्षिता सोनी (23) को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों वर्तमान में लखनऊ के पारा इलाके में किराये पर रहते थे। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए।

'दिव्यांश गुरुकुल में डांस करता, सब बच्चे उसके जैसा हो रहे थे'

पुलिस ने आरोपी मामा और उसकी गर्लफ्रेंड से पूछताछ की। दोनों ने जो बयान दिए, उसे सुन अफसर भी सन्न रह गए। मामा ने पुलिस को बताया- दिव्यांश गुरुकुल के नियमों का पालन नहीं कर रहा था। वह कक्षा में शोर मचाता था। बच्चों से बातें करता था। गाना गाता, डांस करता। उसकी शरारत देख अन्य बच्चे भी कुछ ही दिनों में उसके रंग में रंगने लगे थे। जिसे देख मुझे उससे चिढ़ आने लगी थी। इस वजह से तीन दिनों से दिव्यांश की बेरहमी से पिटाई कर रहा था।

सौरभ ने कबूला कि तेज धूप में दिव्यांश के कपड़े उतार कर उसे नंगे पैर छत पर खड़ा कर देता था। छाया की ओर भागने पर उसे पीटता। दिव्यांश को छोड़ सभी बच्चों को खाना दिया जाता था। वह भूख से रोता तो डंडों से उसकी पिटाई की जाती थी।

पुलिस ने आरोपी सौरभ मिश्रा और उसकी गर्लफ्रेंड हर्षिता सोनी को गिरफ्तार कर लिया है।

'मंगलवार रात पिटाई की, सुबह देखा तो मौत हो चुकी थी'

आरोपी मामा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे सभी बच्चे कमरे में सोने चले गए। मैं दिव्यांश से इतना चिढ़ गया था कि मैंने उसे रात भर पीटने की ठान ली थी। उसे एकांत जगह पर लेकर आने लगा तो वह चिल्लाने लगा, जिस पर मेरा पारा और चढ़ गया। मैंने थप्पड़, लात–घूंसे, डंडा, बेल्ट जो कुछ मिला उससे पिटाई की। रोने पर उसे घसीट कर दीवार पर पटक दिया, जिससे उसके सिर पर चोट लग गई। उस दिन पता नहीं मुझे क्या हो गया था कि पिटाई के दौरान उसकी हालत का ख्याल ही नहीं रहा। मार खाकर वह बेहोश गया। मैं उसे छोड़ कर चला गया। सुबह देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

आधुनिक तकनीक की ओर अग्रसर एमआईईटी

आरपीए प्रशिक्षण से शिक्षकों को मिलेगा नवाचार का संबल

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। आधुनिक तकनीकी परिदृश्य में तीव्र गति से हो रहे परिवर्तन के मध्य एमआईईटी, मेरठ के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक सप्ताहव्यापी संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (यूआईपाथ) विषय पर केंद्रित होगा, जो 27 अप्रैल 2026 से 1 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में आईसीटी अकादमी का सहयोग भी प्राप्त होगा।

इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य शिक्षकों को उभरती हुई स्वचालन प्रौद्योगिकी में दक्ष बनाना है, जिससे वे वर्तमान डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को सशक्त कर सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा औद्योगिक परिदृश्यों पर आधारित

अभ्यास सत्रों का समावेश किया गया है, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक अनुभव प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ऑटोमेशन एवं यूआईपाथ तकनीक के विशेषज्ञ सईद ज़ीशान अली कादरी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

यह आयोजन संस्थान के परिसर निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. संजीव सिंह, सह-अधिष्ठाता (प्रशिक्षण) गौरव तथा रोहित अग्रवाल एवं विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. स्वाति शर्मा का भी इसमें महत्वपूर्ण सहयोग रहेगा।

फास्ट न्यूज़

रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर को डिजिटल अरेस्ट करने वाले 5 गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर में रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर (उद्योग) भैरव पाण्डेय को डिजिटल अरेस्ट में रखकर ठगी करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साइबर ठगों ने भैरव पाण्डेय को करीब 13 दिनों तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान ठगों ने पुलवामा हमले में आतंकी कनेक्शन होने का बताया और 3 बार में 57 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिया।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

बाराबंकी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में लोकसभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन को सुलभ, प्रभावी और जनोपयोगी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है । बैठक में जिलाधिकारी ने 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक संचालित संचारी रोग नियंत्रण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अभियान को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

आगरा में चौकीदार का खून से लथपथ शव मिला

आगरा। आगरा के थाना सदर क्षेत्र के सीओडी मैदान में चौकीदार का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सिर पर पत्थर मारकर हत्या करने की आशंका जताई गई है।

पुलिस को गुरुवार रात को सूचना मिली कि सीओडी ग्राउंड में किसी व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस पहुंची। सिर खून से लथपथ था।

लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही युवती का रेप

इंस्टाग्राम पर आगरा के युवक ने दोस्ती की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती से दुष्कर्म किया गया है। आरोप है कि इंस्टाग्राम पर चार साल पहले हुई दोस्ती के बाद युवक ने युवती की आपत्तिजनक तस्वीरें हासिल कर लीं और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। 35 हजार रुपए भी ऐंठ लिए।

पीड़िता के पिता की शिकायत पर हुसैनगंज थाने में आगरा निवासी अमित कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अमित कुमार आगरा के गड़सान इलाके का रहने वाला है और हैंडीक्राफ्ट का काम करता है। चार साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान युवती से हुई थी। इसी दौरान उसने विश्वास में लेकर

युवती की आपत्तिजनक तस्वीरें मंगवा लीं। बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा।

पीड़िता के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को आरोपी उसके फ्लैट में घुस आया। उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिससे युवती की हालत बिगड़ गई। इसके बाद आरोपी ने दुष्कर्म किया और उसे कमरे में छोड़कर फरार हो गया। घटना के अगले दिन यानी 22 अप्रैल की रात करीब 2 बजे युवती ने फोन कर अपने पिता को पूरी घटना की जानकारी दी।

कानपुर पुलिस ने 6 को उठाया, बेटी की शादी के लिए खरीदे थे जेवरात

जांच : लेक्चरर की पत्नी की हत्या में नौकरानी पर शक

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में लेक्चरर की पत्नी का मर्डर-लूटकांड में पुलिस खुलासे के करीब पहुंच गई है। पुलिस की जांच नौकरानी के इर्द-गिर्द घूम रही है। पुलिस ने नौकरानी ऊषा और उसकी भांजी समेत छह लोगों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी वेस्ट का दावा है कि जल्द ही मर्डर केस का खुलासा करेंगे। पुलिस नौकरानी और उसके परिवार के संदिग्धों की लोकेशन, कॉल डिटेल समेत अन्य सबूतों की जांच कर रही है। तस्दीक होते ही मर्डर और लूटकांड का खुलासा करेंगी। इसके साथ ही शुक्रवार को मृतक निर्मला सिंह का पोस्टमॉर्टम किया

गया। देर रात निर्मला का बेटा प्रसून, बेटी पूजा, प्राची और दामाद शिवम कानपुर पहुंचे। दामाद शिवम ने नौकरानी पर शक जताते हुए कहा कि उसे घर की पूरी जानकारी थी। हमलावरों ने दो मंजिला मकान में उसी जगह पर अटैक किया, जहां जेवरात रखे हुए थे। शिवम ने बताया कि साली पूजा की शादी नवंबर में लखनऊ के साफ्टवेयर इंजीनियर सूर्य से तय हुई थी, जिसके लिए निर्मला ने हाल ही में 6 से 7 लाख रुपए के जेवरात खरीदे थे। आवास विकास-1 मकान नंबर एच-1624 कल्याणपुर में रिटायर लेक्चरर हरेन्द्र कुमार सिंह की पत्नी निर्मला (53) का 24 अप्रैल को मर्डर करने के बाद घर में लाखों की लूटपाट की गई थी। बदमाश घर में रखा जेवरात और कैश समेत 10 लाख से ज्यादा का माल समेट ले गया। परिवार के लोगों ने मामले में कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच कर रही

घटना में किसी करीबी का ही हाथ

जेवरात जिस लॉकर में रखे थे, उसी स्थान को लुटेरों को निशाना बनाया, ऐसे में माना जा रहा है कि घटना में किसी करीबी का ही हाथ है। एचपीसीएल गुड़गांव में सेल्स ऑफिसर के पद पर तैनात दामाद शिवम ने बताया कि दो दिन पहले उनकी सास निर्मला से वीडियो कॉल पर बात हुई थी।

जिस पर उन्होंने बताया था कि कोलकाता निवासी भतीजी सोनी की शादी की तैयारियों में व्यस्त होने की जानकारी दी थी। शिवम ने बताया कि उनकी सास को सर्वाइल की बीमारी थी, जिसकी वह फिजियोथेरेपी कराने जाती थी, जिस पर उन्होंने बताया था कि थेरेपी से उन्हें काफी आराम है।

भैरव घाट में अंतिम संस्कार किया गया। निमृला की बेटी प्राची का रो-रोकर बुरा हाल है।

कल्याणपुर पुलिस ने संदेह के आधार पर नौकरानी ऊषा और एसी मैकेनिक को उठाया। पूछताछ के बाद दोनों मैकेनिक को छोड़ दिया गया, लेकिन ऊषा कई सवालों में उलझ गई। पूछताछ में सामने आया कि ऊषा की भांजी नीतू पहले हरेन्द्र के यहां झाड़-पोछा और बर्तन का काम करती थी, इसके बाद उसने ऊषा को अपनी जगह हरेन्द्र के यहां काम दिलवा दिया था। तब से ऊषा ही लगातार काम कर रही है।

हाथी बार-बार खुद नहा रहा, 40 जिलों में लू की चेतावनी, कानपुर में चलती बाइक पर युवक की मौत

यूपी में पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में भीषण गर्मी और लू चल रही है। सुबह से तेज धूप निकली है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को 40 जिलों में लू की चेतावनी जारी की है। सीजन में पहली बार 17 जिलों में वार्म नाइट का अलर्ट है। यानी रातें भी गर्मी होंगी।

मौसम विभाग का कहना है कि आज और कल भीषण गर्मी पड़ेगी। दिन में पारा 45C के पार पहुंचेगा। रात में वार्म नाइट अलर्ट है। ऐसे में पारा सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक होगा। 26 अप्रैल से 4 दिन आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश होगी। इधर, गुरुवार को कानपुर में चलती बाइक पर बैठे 45 साल के सुनील कुमार की मौत हो गई। परिवार का कहना है कि तेज धूप की वजह से हीट स्ट्रोक हुआ और जान चली गई। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत की सही वजह साफ होगी। बढ़ती गर्मी को देखते हुए आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में दोपहर 12 से 4 बजे तक मजदूरों के काम करने पर रोक लगा दी गई है।

गोरखपुर में सुबह से तेज धूप निकली है। इससे बचने के लिए लोग चेहरे को गमछे से ढककर बाहर निकल रहे हैं।

स्कूली बच्चे गमछा ओढ़कर धूप से बच रहे

मेरठ में तापमान 42 डिग्री पार पहुंच गया है। कक्षा 8 तक के स्कूलों का समय बदल दिया गयस है। 9वीं से 12वीं तक के बच्चे धूप से बचने के लिए गमछे का इस्तेमाल कर रहे हैं। छात्रों की भी मांग है कि उनका भी समय बदला जाए।

कानपुर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

कानपुर में गर्मी बढ़ती जा रही है। हालत यह है कि शहर के सबसे व्यस्त चौराहों और मार्गों पर भी सन्नाटा पसरा हुआ है। शहर की कचहरी रोड पर इक्का-दुक्का वाहन दिखाई दे रहे हैं।

तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार कर गया है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में एक से दो डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ेगा। लोगों ने बताया कि कचहरी रोड पर आम दिनों में भीड़ रहती है लेकिन तेज धूप के कारण सड़क पर भी सन्नाटा है।

यह कानपुर का रहने वाला सुनील कुमार (45) है, जिसकी बाइक पर बैठे-बैठे मौत हो गई।

गाजियाबाद में भीषण गर्मी

दिल्ली-एनसीआर सहित गाजियाबाद में लगातार तापमान बढ़ रहा है। यही कारण है कि आज सुबह से ही गाजियाबाद में गर्मी का असर साफ देखा गया। दोपहर के समय तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सुबह से चल रही लू के चलते लोग अपने घरों से बहुत कम बाहर निकल रहे हैं।

केडी सिंह बाबू स्मृति संग्रहालय निर्माण कार्य का डीएम ने किया निरीक्षण'

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी ने अंतर-राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री बाबू के.डी. सिंह के पैतृक आवास पर विकसित हो रहे स्मृति संग्रहालय निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह परियोजना जनपद की खेल विरासत और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने निर्देश दिए कि पैतृक आवास की ऐतिहासिकता को अक्षुण्ण रखते हुए यथासंभव मूल स्ट्रक्चर को सुरक्षित रखा जाए तथा रिस्टोरेशन कार्य मूल स्वरूप के अनुरूप कराया जाए, जिससे भवन की मौलिक पहचान बनी रहे। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों को मानकों एवं विशिष्टताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्ध पूरा कराने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह स्मृति संग्रहालय केवल एक

ऐतिहासिक मूल स्वरूप संरक्षित रखते हुए किया जाए स्मृति संग्रहालय निर्माणः डीएम

भवन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्थल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने आगंतुकों की सुविधा के दृष्टिगत पर्याप्त वाहन पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि संग्रहालय में केडी सिंह बाबू के जीवन, उपलब्धियों और भारतीय हॉकी में उनके योगदान से जुड़ी वीथिकाओं को प्रभावी रूप से विकसित किया जाए, जिससे यह स्थल खेल प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके।

पृष्ठ 01 का शेष...

बिखर गई झाड़ू...

हमने यह फैसला किया है कि हम संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को BJP में मिला लेंगे।

2 अप्रैल को AAP ने राघव चड्ढा को AAP के राज्यसभा सांसदों के उपनेता पद से हटा दिया। इस बारे में राज्यसभा सेक्रेटरिएट को चिट्ठी दी गई, जिसमें यह भी कहा गया कि उन्हें पार्टी के कोटे से बोलने का टाइम न दिया जाए। AAP ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU), फगवाड़ा के वाइस चासंलर अशोक मित्तल को उपनेता बना दिया। राघव 2022 से पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद हैं। उनकी टर्म 2028 तक है।

इसके बाद 3 अप्रैल को राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर कहा- मैंने संसद में जनता के मुद्दे उठाए, क्या यह अपराध है। ये मुद्दे उठाने से आम आदमी का फायदा हुआ तो AAP का क्या नुकसान हुआ? जिन लोगों ने आज पार्लियामेंट में मेरे बोलने का अधिकार मुझसे छीन लिया, मुझे खामोश कर दिया, मैं उन्हें भी कुछ कहना चाहता हूं। मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना। मैं वो दरिया हूं, जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।

राघव बोले- मैं इस पार्टी का एक संस्थापक सदस्य था। शायद ही कोई मुझसे बेहतर इस बात को जानता होगा। हम सबने मिलकर, पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ, दिल्ली में इस पार्टी को खड़ा किया, पंजाब में इसे स्थापित किया। अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार करने का प्रयास किया। लेकिन आज, बड़े दुख, पीड़ा और शर्म के साथ मैं यह कहता हूं कि जिस पार्टी का गठन भ्रष्टाचार को खत्म करने की शपथ के साथ हुआ था, वह आज भ्रष्ट और समझौतावादी लोगों के हाथों में बुरी तरह फंस चुकी है।

'भारत ने अमेरिका ...

साथ ही, 50% टैरिफ लगाए जाने का भी उसने जोरदार विरोध किया।'

कांग्रेस ने राम माधव के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला था। पार्टी ने आरोप लगाया कि माधव के बयान से यह साफ है कि मोदी सरकार ने अमेरिका को खुश करने के लिए भारत के हितों से समझौता किया।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मोदी वही करते हैं, जो ट्रम्प चाहते हैं। मोदी ट्रम्प की कठपुतली हैं। यही वजह है कि ट्रम्प भारत को नरdक बता देते हैं और मोदी की हिम्मत नहीं होती कुछ कहने की। साफ है कि नरेंद्र मोदी पूरी तरह से कॉम्प्रोमाइज्ड हैं और इस बात का खामियाजा देश भुगत रहा है।'

छांगुर बाबा के ...

एजेंसियों का दावा है कि उनके पास पर्याप्त दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत मौजूद हैं, जो आरोपियों के खिलाफ केस को मजबूत बनाते हैं।

जांच एजेंसियों के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे बड़ा खुलासा विदेशी फंडिंग को लेकर हुआ है। ईडी की जांच में सामने आया है कि वर्ष 2015 से 2024 के बीच 100 करोड़ रुपए से अधिक का लेन-देन हुआ। यह रकम सऊदी अरब और दुबई समेत खाड़ी देशों से भारत लाई गई। एजेंसियों ने मनी ट्रेल को खंगालते हुए पाया कि यह पैसा अलग-अलग खातों और माध्यमों से ट्रांसफर किया गया, ताकि इसकी असल पहचान छिपी रहे।

ईडी ने अपनी जांच में एटीएस द्वारा जुटाए गए तथ्यों को भी आधार बनाया और दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय से पूरे नेटवर्क की परतें खोली गईं। अधिकारियों का दावा है कि इस फंडिंग का उपयोग धर्मांतरण गतिविधियों को बढ़ावा देने, लोगों को प्रलोभन देने और नेटवर्क को मजबूत करने में किया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि सह आरोपी बनाए गए नवीन और उसकी पत्नी नीतू ने इस फंड का इस्तेमाल कई जिलों में जमीन खरीदने के लिए किया। बलरामपुर के तरबगंज क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर खरीदी गई इन संपत्तियों का इस्तेमाल कथित तौर पर धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता था।

एजेंसियों के मुताबिक, इन जगहों पर लोगों को आर्थिक और सामाजिक प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जाता था।

टीएमसी का दीया ...

बंगाल में गुरुवार को पहले फेज में 152 सीटों पर रिकॉर्ड 92.72% मतदान हुआ है। दूसरे फेज में 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

बंगाल को टीएमसी से आजादी चाहिए। टीएमसी के डर से आजादी, टीएमसी के भ्रष्टाचार से आजादी, टीएमसी के सिंडिकेट से आजादी, बेटियों पर अत्याचार और बेरोजगारी से आजादी।

टीएमसी ने बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था, लेकिन पहले चरण में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है। दूसरे चरण में आपको इस लोकतंत्र के मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है।

जब बंगाल की बेटियां न्याय मांगती हैं तो टीएमसी उन्हें घर से बाहर न निकलने की सलाह देती है। टीएमसी नहीं चाहती कि महिलाएं सपने देखें।

4 मई को बीजेपी की सरकार बनने के बाद महिलाओं पर हुए सभी अत्याचारों की फाइलें खोली जाएंगी। यह मोदी की गारंटी है। पश्चिम बंगाल के जगतबल्लभपुर में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहले चोर, डकैत, हत्यारे और बलात्कारी अपराध करते थे और जेल जाते थे। अब वे बीजेपी में शामिल हो जाते हैं। आप अपने आसपास देखिए, कोई सभ्य या शालीन व्यक्ति बीजेपी का समर्थन नहीं करता। कोई पढ़ा-लिखा या सम्मानित व्यक्ति बीजेपी के साथ नहीं है। सभी चोर, भ्रष्ट लोग, ठग, शराबी, नशेड़ी, गद्दार और बेईमान लोग बीजेपी में हैं।

मणिपुर के उखरुल ...

हमलावरों ने फायरिंग के साथ कई घरों में आग भी लगा दी। हालांकि नगा संगठनों ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। दोनों समुदायों के बीच तनाव का माहौल है।

वहीं, रात में मशाल रैलियों से इलाकों की पहरेदारी भी कर रही हैं। एक प्रदर्श-नकारी महिला ने बताया- घर संभालना, आंदोलन में जाना और रोजी-रोटी की चिंता, तीनों को साथ लेकर चलना चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी है और मैं हर चीज संतुलित कर रही हूं।

मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। यह 2025 के शुरुआती महीनों तक जारी रही। हिंसा के दौरान कई इलाकों में आगजनी, लूट और हत्याओं की घटनाएं हुईं। हजारों लोग विस्थापित हुए और राहत शिविरों में रहने को मजबूर हुए।

पवन खेड़ा की अग्रिम...

ये फ्लैट मोहम्मद अहमद और फातिमा सुलेमान के हैं।

10 अप्रैलः तेलंगाना हाईकोर्ट से 7 दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत ली तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, ताकि वे असम की अदालत में जा सकें। असम सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसके बाद 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी।

बंगाल का वोटर ...

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से पहले इस प्रक्रिया को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों से कहा कि वे उन लोगों को पहले सुनवाई का मौका दें, जो वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को उन विभिन्न लोगों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिनके नाम पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (SIR) के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए थे; इनमें लगभग 65 चुनाव ड्यूटी अधिकारी भी शामिल थे। याचिकाकर्ता के वकील एमआर शमशाद ने कहा कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण के मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उनके ड्यूटी ऑर्डर में एपिक नंबरों का उल्लेख है। अब उन नंबरों को हटा दिया गया है। अब चुनाव कराने वाले लोग वोट नहीं दे सकते। यह मनमाना है।

चेन्नई की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत

मुकाबला

संजू ने रोहित की बराबरी की, सीएसके ने मुंबई को सबसे ज्यादा 19 बार हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL 2026 के 33वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 103 रन से हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में संजू सैमसन ने पहली पारी की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर इस सीजन दूसरा शतक लगाया। उन्होंने टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। मुकाबले के दौरान जेमी ओवरटन और तिलक वर्मा के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। मुंबई को IPL इतिहास में सबसे बड़ी हार मिली। इससे पहले 2013 में उसे जयपुर में राजस्थान के खिलाफ 87 रन की हार झेलनी पड़ी थी। वहीं 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद ने 85 रन से हराया था।

मुकेश ने 31 रन देकर एक विकेट लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पहला सीजन खेल रहे संजू सैमसन ने दो शतक लगा दिए हैं। चेन्नई के लिए अब तक चार खिलाड़ी 2 शतक लगा चुके हैं। संजू से पहले शेन वॉटसन, मुरली विजय, ऋतुराज गायकवाड भी दो-दो शतक लगा चुके हैं।

दोनों टीम के प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। चेन्नई के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी की मां का मंगलवार को निधन हो गया था। इसके बाद दोनों टीम ने काली पट्टी बांधकर शोक जताया।

मैच के पहले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने 5वीं गेंद नो-बॉल डाली। फुल लेंथ की गेंद पर संजू सैमसन ने शानदार कवर ड्राइव खेलते हुए चौका जड़ दिया। अगली गेंद फ्री-हिट थी, लेकिन बुमराह ने सटीक यॉर्कर डाली और कोई रन नहीं बना।

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रन से हरा दिया। यह टूर्नामेंट के इतिहास में टीम की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2014 के सीजन में अबू धाबी में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ मिली 93 रन विक्ट्री उसकी सबसे बड़ी जीत थी।

संजू ने 8वां टी-20 शतक लगाया

संजू सैमसन ने टी-20 क्रिकेट में 8वां शतक लगाया। सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और अभिषेक शर्मा सबसे आगे हैं। दोनों के नाम 9-9 शतक दर्ज हैं। इसके बाद रोहित शर्मा का नाम आता है, जिन्होंने टी-20 में अब तक 8 शतक लगाए हैं।

चेन्नई ने मुंबई को सबसे ज्यादा बार हराया

चेन्नई ने मुंबई को IPL में 19वीं बार हराया। इसके साथ ही CSK मुंबई को सबसे ज्यादा मैच हराने वाली टीम बन गई है। उसने MI के खिलाफ कुल 40 में से 19 मुकाबले जीते हैं। इसके बाद पंजाब किंग्स है, जिन्होंने 35 मैचों में से 18 जीत हासिल की हैं। दिल्ली कैपिटल्स 38 मैचों में 17 जीत के साथ तीसरे नंबर पर है।

आईपीएल में संजू ने 5वां शतक लगाया

संजू IPL में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी खेली। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के नाम पर है। उन्होंने IPL में अब तक 8 शतक लगाए हैं।

ओलिंपिक-कॉमनवेल्थ के बाद अब 2038 एशियन गेम्स की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

2036 ओलिंपिक की मजबूत दावेदारी और 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स (CWG) की मेजबानी हासिल करने के बाद अब भारत की नजरें 2038 के एशियन गेम्स पर हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) ने आधिकारिक तौर पर इसके लिए अपनी इच्छा जाहिर की है।

गुरुवार को चीन के सान्या में ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) की एग्जीक्यूटिव बोर्ड की बैठक हुई। इसमें भारत के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बोर्ड ने फैसला लिया है कि भारत की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जल्द ही एक इवैल्यूएशन टीम देश का दौरा करेगी। 2038 के स्लॉट के लिए भारत के अलावा साउथ कोरिया और मंगोलिया ने भी अपनी रुचि दिखाई है। 2036 ओलिंपिक और 2030 CWG की तरह 2038 एशियन गेम्स का केंद्र भी अहमदाबाद ही रहेगा। गुजरात सरकार ने इसके लिए बड़े स्तर पर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण शुरू कर दिया है।

भारत ने प्रस्ताव भेजा; अहमदाबाद होगा मुख्य सेंटर, ओसीए की टीम जल्द करेगी दौरा

सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेवः नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास 355 एकड़ में फैला यह इलाका मुख्य केंद्र होगा। यहां एक्वेटिक्स, टेनिस सेंटर और इंडोर एरेना बनाए जा रहे हैं।

कराई स्पोर्ट्स हबः गांधीनगर में 143 एकड़ में एथलेटिक्स स्टेडियम, शूटिंग कॉम्प्लेक्स और अन्य वेन्यू तैयार किए जा रहे हैं।

भारत ने 1951 में पहले एशियन गेम्स की मेजबानी की थी।

गायकवाड ने मुंबई के खिलाफ जीत मुकेश को समर्पित की

मां के निधन के बावजूद मैदान पर उतरे थे गेंदबाज, टीम ने भी काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) की 103 रनों की शानदार जीत एक भावुक मोड़ पर खत्म हुई। जीत के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने इस प्रदर्शन को अपने साथी खिलाड़ी मुकेश चौधरी को समर्पित किया। मुकेश हाल ही में अपनी मां को खोने के बावजूद टीम के लिए खेलने मैदान पर उतरे थे। मुकेश चौधरी के प्रति सम्मान और एकजुटता दिखाने के लिए चेन्नई के सभी खिलाड़ियों ने हाथ पर काली पट्टी बांधी थी। पारिवारिक दुख के बीच मुकेश ने न केवल वापसी की, बल्कि मैदान पर शानदार जज्बा भी दिखाया। उन्होंने अपने स्पैल (1/31) के दौरान मुंबई के ओपनर क्विंटन डी कॉक को जल्दी आउट कर मैच की दिशा तय कर दी। मैच के बाद गायकवाड काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, मुकेश जानते थे कि टीम को उनकी जरूरत है, इसलिए वे फ्रेंचाइजी और टीम के लिए वापस आए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने संजू सैमसन की नाबाद 101 रनों की पारी की बदौलत 207/6 का स्कोर खड़ा किया। गायकवाड ने संजू की तारीफ करते हुए कहा, संजू ने शानदार पारी खेली, वे बेहतरीन फॉर्म में हैं। टॉस के वक्त मैं थोड़ा दुविधा में था, लेकिन मेरा मन कह रहा था कि पहले बैटिंग करनी चाहिए क्योंकि पिच सूखी होने के साथ थोड़ी हरी भी थी। हमें लगा था कि 200 का स्कोर अच्छा रहेगा। 208 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की टीम महज 104 रन पर सिमट गई। चेन्नई की ओर से अकील हुसैन और नूर अहमद ने शानदार गेंदबाजी की। गायकवाड ने गेंदबाजों पर संतोष जताते हुए कहा कि हमारी बॉलिंग में पिछले मैचों के मुकाबले सुधार हो रहा है और अब टीम सही लय में आ रही है।

लखनऊ के 48 करोड़ रु. के पंत-पूरन सुपर फ्लॉप

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 मैचों में सिर्फ 2 जीत मिली हैं और टीम 4 अंक लेकर नौवें पर है। इसकी सबसे बड़ी वजह दो सबसे महंगे खिलाड़ियों- कप्तान ऋषभ पंत और उपकप्तान निकोलस पूरन की खराब फॉर्म रही है। टीम ने दोनों पर कुल 120 करोड़ रुपए के पर्स का 40% यानी 48 करोड़ खर्च किए हैं। लेकिन सीजन में दोनों जायंट खिलाड़ियों का बल्ला खामोश है।

27 करोड़ के पंत दोहरी मानसिकता और तकनीकी उलझनों का शिकार हो रहे हैं। 7 पारियों में 132.43 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 147 रन बनाना उनके जैसे आक्रामक बल्लेबाज को शोभा नहीं देता। राजस्थान के खिलाफ उनका 3 गेंदों पर शून्य पर आउट होना यह स्पष्ट करता है कि वे मानसिक रूप से भारी दबाव में हैं। सबा करीम के अनुसार, पंत अभी तक टी20 में अपना सही टेम्पलेट नहीं खोज पाए हैं।

बांग्लादेश बोर्ड ने एनओसी देने से मना किया, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद नहीं लौटेंगे पाकिस्तान

मुस्तफिजुर और नाहिद पीएसएल 2026 के बचे हुए मैच नहीं खेलेंगे

वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत नाहिद राणा के साथ मुस्तफिजुर और तस्कीन अहमद को न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले हफ्ते से शुरू हो रही शुरुआती दो टी-20 मैचों में भी आराम दिया गया है। इसी कारण वे दरछ के लिए दोबारा पाकिस्तान नहीं जा सकेंगे।

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और नाहिद राणा के अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) वापस ले लिए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2026 के बचे हुए मैचों में अपनी फ्रेंचाइजियों के लिए नहीं खेल पाएंगे। मुस्तफिजुर रहमान लाहौर कलंदर्स और नाहिद राणा पेशावर जाल्मी का हिस्सा थे। ये दोनों खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश लौटे थे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि मुस्तफिजुर घुटने की चोट से जूझ रहे हैं, वहीं राणा के वर्कलोड को मैनेज करने के लिए उन्हें आराम दिया गया है। नाहिद राणा अब मई में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में नजर आएंगे। वहीं, मुस्तफिजुर रहमान के जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वाइट बॉल सीरीज (वनडे और टी-20) खेलने की संभावना है।

जब कोई खिलाड़ी अपने देश के बाहर किसी विदेशी लीग (जैसे PSL या IPL) में खेलना चाहता है, तो उसे अपने घरेलू क्रिकेट बोर्ड से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' लेना अनिवार्य होता है। बोर्ड खिलाड़ी की फिटनेस, इंटरनेशनल शेड्यूल और वर्कलोड को देखते हुए इसे कभी भी रद्द कर सकता है।

मुस्तफिजुर का होगा स्कैन और रिहैब

BCB ने अपने बयान में कहा कि मुस्तफिजुर के घुटने की स्थिति का आकलन करने के लिए उनका तत्काल स्कैन कराया जाएगा। इसके बाद वे बोर्ड की मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगे। इंजरी के कारण ही वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो वनडे नहीं खेल सके थे, हालांकि तीसरे मैच में उन्होंने 5 विकेट झटके थे।

मनोरंजन

डायरेक्टर बोले- इस्लामी कानून समझने में टीम को डेढ़ साल लगा था

फिल्म हक के लिए यामी गौतम ने पढ़ी थी कुरान

नई दिल्ली। फिल्म हक की एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपने किरदार की तैयारी और फिल्म की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए करीब चार महीनों तक कुरान पढ़ी थी। यह बात फिल्म के डायरेक्टर सुपर्न वर्मा ने बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए इंटरव्यू में बताई।

सुपर्न वर्मा ने बताया कि फिल्म की रिसर्च के दौरान इस्लामी कानून समझने में टीम को करीब डेढ़ साल लगा था। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुरान के संदर्भ और संवाद वास्तविकता के साथ पेश किए गए हैं। इसलिए अंत में 'इकरा' जैसे शब्द का विशेष महत्व रखा गया।

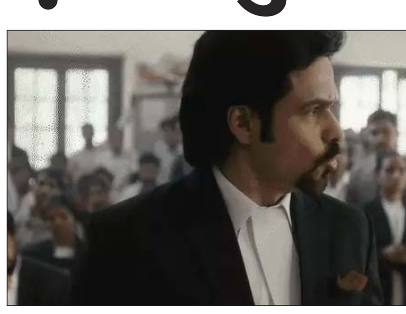

उन्होंने कहा कि फिल्म में ट्रिपल तलाक और मेहर जैसे मुद्दों को सही संदर्भ में दिखाने का प्रयास किया गया था। फिल्म हक में यामी गौतम के अलावा इमरान हाशमी, शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी थे। फिल्म की कहानी जेंडर इक्वालिटी, न्याय और पर्सनल डिग्निटी जैसे मुद्दों पर आधारित थी।

फिल्म हक देखकर यामी की फैन हुईं आलिया

फिल्म की आलिया भट्ट, कियारा आडवाणी और संजय कपूर जैसे सेलेब्स ने तारीफ की थी। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर किया और खुद को यामी की फैन बताया था। एक्ट्रेस ने लिखा था, 'क्वीन यामी गौतम, आप 'हक' में कमाल हैं। आपकी एक्टिंग में सच्चाई, दिल और क्लास साफ दिखती है। यह अब तक की मेरी सबसे पसंदीदा महिला परफॉर्मेंस में से एक है। जैसा कि मैंने फोन पर भी कहा, मैं आपकी फैन हूं और आपके आने वाले काम का बेसब्री से इंतजार है।'

कहानी में, शाजिया (यामी गौतम) अपने पति (इमरान हाशमी) के दूसरी शादी करने और उसे मेंटेनेंस देने से इनकार करने पर अदालत का सहारा लेती है। जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के कोलैबोरेशन में बनी यह फिल्म नवंबर 2025 में थिएटर में रिलीज हुई थी।

4000 करोड़ी रामायण की कहानी का खुलासा

'राम-रावण' से पहले फिल्म में होगा ये महायुद्ध दिखेगा धांसू ओपनिंग सीन

नई दिल्ली। मोस्ट एक्सपेंसिव और एंटीसिपेटेड फिल्म रामायण पर करीब 4000 करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है। एक हाई स्केल पर बनने वाली पौराणिक फिल्म है जिसकी कहानी भगवान राम की जिंदगी पर आधारित है।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'रामायण' से पहले भगवान राम की गाथा पर आधारित कई फिल्में या टीवी शोज बन चुके हैं। इनमें ज्यादातर कहानी भगवान राम और रावण के युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है। हलांकि, रणबीर कपूर की रामायण में एक और सीन अहम सीन होगा जो बहुत कम ही जगह दिखाया गया है।

रामायण का ओपनिंग सीन एक युद्ध से शुरू होगा जो राम और रावण के बीच नहीं, बल्कि एक ऐसे महायुद्ध की गाथा बताएगा जो भले ही कम मशहूर है लेकिन बहुत अहम है। यह कहानी रावण के शुरुआती जिंदगी की होगी, जब वह 'लंका' पर राज नहीं करता था।

लेटेस्ट रिपोर्ट की मानें तो रणबीर कपूर की रामायण में ओपनिंग सीन रावण और उनके भाई 'कुबेर' के युद्ध के इर्द-गिर्द घूमेगा। अगर आपने रामायण का टीजर देखा होगा तो आखिर के सीन में रावण के साथ-साथ पुष्पक विमान भी नजर आया था। यह उसी महायुद्ध की पहली झलक थी। दरसल, रावण से पहले सोने की लंका पर उनके सौतेले भाई 'कुबेर' का राज था। हालांकि, रावण ने बलपूर्वक कुबेर से उनकी गद्दी और पुष्पक विमान छीनकर उन्हें सोने की लंका से भगा दिया था। यही फिल्म का ओपनिंग सीन बताया जा रहा है। यह सीन कम मशहूर है, ऐसे में दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है।

बता दें कि नमित मल्होत्रा निर्मित रामायण में भगवान राम की भूमिका रणबीर कपूर निभा रहे हैं, जबकि रावण के रोल में यश नजर आएंगे। फिल्म दो पार्ट में बन रही है।

बोलने के तरीके का मजाक उड़ाया, डिप्रेशन का शिकार हुईं, नेटवर्थ 500 करोड़ से ज्यादा

दीपिका पादुकोण को हिट फिल्म के बाद भी ताने मिले

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण ने 2007 में फिल्म 'ओम शांति ओम' से डेब्यू कर स्टारडम हासिल किया, लेकिन उन्हें आलोचना और तानों का सामना करना पड़ा। उनकी डायलॉग डिलीवरी और एक्सेंट का मजाक उड़ाया गया, जिससे वह मानसिक रूप से टूटने लगीं। करियर के पीक पर होने के बावजूद 2014 के आसपास वह डिप्रेशन का शिकार हुईं। उन्होंने थैरेपी और आत्मविश्वास के सहारे खुद को संभाला। इस दौर के बाद 'कॉकटेल', 'ये जवानी है दीवानी', 'पद्मावत' और 'पठान' से उन्होंने टॉप एक्ट्रेसेस में जगह बनाई। आज दीपिका की नेटवर्थ 500 करोड़ से ज्यादा ज्यादा है। दीपिका पादुकोण का जन्म 5 जनवरी 1986 को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुआ था। उनके पिता प्रकाश पादुकोण मशहूर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। बचपन में उनका परिवार बेंगलुरु शिफ्ट हो गया। उन्होंने स्कूली पढ़ाई सोफिया हाई स्कूल से की और आगे माउंट कार्मेल कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग करियर के चलते पढ़ाई छोड़ दी। मॉडलिंग में सफलता के बाद दीपिका को फिल्म का ऑफर मिला। उन्होंने 2006 में कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से एक्टिंग करियर शुरू किया। यह फिल्म बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने फिल्ममेकर्स का ध्यान खींचा। मॉडलिंग के दौरान दीपिका पादुकोण ने हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो 'नाम है तेरा' में काम किया था। इसी से उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और कॉन्फिडेंस ने डायरेक्टर फराह खान का ध्यान खींचा।

सूटकेस साथ कैब में ही सो जाती थीं

मॉडलिंग के दौरान मुंबई आने पर दीपिका को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दीपिका कहती हैं- मैं एक नए शहर में अकेले आई थी। मेरे पास सिर्फ मेरा बैग था, और मैं उसे लेकर इधर-उधर भटकती रहती थी। मैं देर रात तक काम करती थी और सूटकेस लेकर कैब में हर जगह जाती थी। कई बार मैं उसी कैब में सो जाती थी।

दीपिका शुरुआत में अपने पिता की तरह बैडमिंटन खिलाड़ी बनना चाहती थीं, लेकिन टीनेज में उनका झुकाव मॉडलिंग की ओर हो गया। उन्होंने छोटे प्रोजेक्ट्स से शुरुआत की और पहचान बनाई। उन्हें बड़ा ब्रेक तब मिला जब उन्होंने ज्वेलरी ब्रांड तनिष्क के लिए मॉडलिंग की। इसके बाद लैक्मे फैशन वीक में रैंप वॉक किया, जिससे वह इंडस्ट्री में नोटिस हुईं।

निगेटिविटी को खुद पर हावी नहीं होने दिया

दीपिका बताती हैं- उस समय मुझे लगा था कि लोग मेरी परफॉर्मेंस से खुश नहीं हैं या मुझे राइट ऑफ कर दिया गया था। मैं टूट सकती थी, निराश हो सकती थी, या कह सकती थी कि अब मैं यह नहीं कर सकती। लेकिन मैंने उस निगेटिविटी को खुद पर हावी नहीं होने दिया। एक खराब रिव्यू ने मुझे खुद पर काम करने के लिए प्रेरित किया। मैं मानती हूं कि निगेटिविटी भी अच्छी हो सकती है- यह इस पर निर्भर करता है कि आप उसे कैसे लेते हैं।

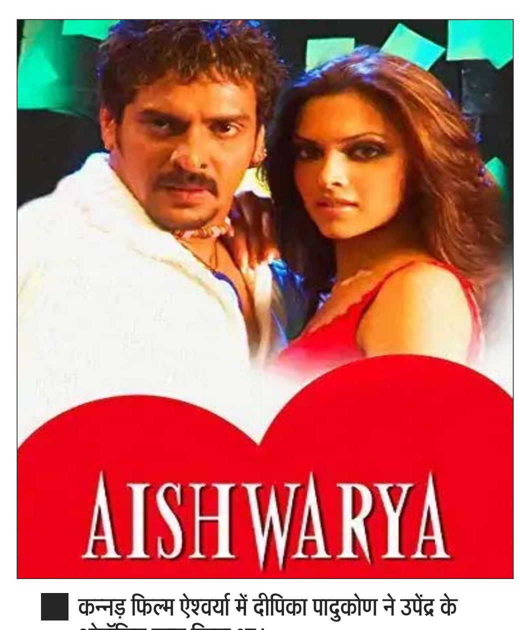

कन्नड़ फिल्म ऐश्वर्या में दीपिका पादुकोण ने उपेंद्र के ऑपॉजित काम किया था।

बॉलीवुड में एंट्री और चुनौतियां

मॉडलिंग के दौरान दीपिका पादुकोण ने हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो 'नाम है तेरा' में काम किया था। इसी से उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और कॉन्फिडेंस ने डायरेक्टर फराह खान का ध्यान खींचा। फराह खान नई और फ्रेश फेस की तलाश में थीं। उन्हें लगा कि 70 के दशक की अभिनेत्री शांति प्रिया के किरदार के लिए दीपिका फिट हैं। इसके बाद उनका ऑडिशन हुआ और उन्हें फिल्म के लिए फाइनल किया गया।

पैर काटने की नौबत, नकली पैर लगेगा

मुजतबा खामेनेई का चेहरा-होंठ जला प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत

इलाज

तेहरान, एजेंसी

28 फरवरी को जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान में मुजतबा खामेनेई के पिता (अयातुल्ला अली खामेनेई) के ठिकाने पर हमला किया था, तब से वह छिपकर रह रहे हैं। उसी हमले में अयातुल्ला खामेनेई, पत्नी और बेटे की मौत हो गई। मुजतबा खुद भी घायल हो गए और अब डॉक्टरों की एक टीम उनकी देखभाल कर रही है। उनसे मिलना बहुत मुश्किल है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान जो पेशे से हार्ट सर्जन हैं और स्वास्थ्य मंत्री भी उनके इलाज में शामिल रहे हैं। मुजबता से मिलने

बड़े अधिकारी और सेना के कमांडर नहीं जाते, क्योंकि उन्हें डर है कि इजराइल उनके जरिए ठिकाने का पता लगाकर हमला कर सकता है। मुजतबा खामेनेई की हालत गंभीर रही है, लेकिन दिमाग से वह पूरी तरह एक्टिव हैं। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन हुआ है और अब उन्हें नकली पैर लगाना पड़ेगा। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उनके चेहरे और होंठ बुरी तरह जल गए हैं, जिससे बोलना मुश्किल है और आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ेगी।

जंग शुरू होने के बाद से गायब हैं मुजतबा

मुजतबा ने अब तक कोई वीडियो या ऑडियो मैसेज नहीं दिया, क्योंकि वह कमजोर नहीं दिखना चाहते। उनकी तरफ से सिर्फ लिखित बयान जारी किए जाते हैं, जो ऑनलाइन डाले जाते हैं या टीवी पर पढ़े जाते हैं। उन तक संदेश पहुंचाने का तरीका भी बहुत अलग है।

कागज पर लिखे संदेश लिफाफे में बंद करके एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाए जाते हैं, जो कार या बाइक से उनके छिपे ठिकाने तक जाते हैं। उनके जवाब भी इसी तरह वापस आते हैं। उनकी सुरक्षा, चोटें और उनसे संपर्क की कठिनाई की वजह से फिलहाल फैसले लेने की जिम्मेदारी सेना के जनरलों को दे दी गई है।

अब ईरान को सेना के जनरल चला रहे

कंपनी डायरेक्टर की तरह देश चला रहे मुजतबा

जब अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर थे, तब युद्ध, शांति और अमेरिका से बातचीत जैसे बड़े फैसले वही अकेले लेते थे। उनके पास पूरी ताकत थी। लेकिन उनके बेटे और अब के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का वैसा रोल नहीं है।

मुजतबा खामेनेई एक ऐसे नेता हैं, जो सामने नहीं आते। मार्च में पद संभालने के बाद से उन्हें किसी ने देखा नहीं और उनकी आवाज भी सार्वजनिक रूप से नहीं सुनी गई। उनकी जगह अब ईरान की सेना, खासकर इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के बड़े कमांडर और उनसे जुड़े लोग, देश के अहम फैसले ले रहे हैं। सुरक्षा, युद्ध और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर वही सबसे ज्यादा असर रखते हैं। एक पूर्व सलाहकार अब्दुल रजा दावरी के मुताबिक, मुजतबा देश को ऐसे चला रहे हैं, जैसे किसी कंपनी का डायरेक्टर होता है, लेकिन असली फैसले 'बोर्ड' यानी सेना के जनरल मिलकर लेते हैं। मुजतबा उनके सुझावों पर काफी निर्भर हैं और फैसले सामूहिक रूप से होते हैं।

अमेरिका के मॉल ऑफ लुइसियाना के फूड कोर्ट में गोलीबारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के लुइसियाना राज्य के बैटन रूज स्थित एक मॉल के फूड कोर्ट में शुक्रवार को अचानक फायरिंग होने से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह हमला किसी आम व्यक्ति को निशाना बनाकर नहीं, बल्कि दो गुटों के बीच हुए विवाद का नतीजा था। घटना दोपहर करीब 1.30 बजे शुरू हुई, जब दो समूहों के बीच बहस हुई और देखते ही देखते मामला गोलीबारी तक पहुंच गया। शुरुआत में 10 लोगों के घायल होने की खबर आई थी, लेकिन बाद में पुलिस ने स्पष्ट किया कि पांच लोग ही घायल हुए हैं। पुलिस प्रमुख टीजे मोर्स ने बताया कि इस मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और अब आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। फायरिंग के बाद मॉल में मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। एक दुकान में काम करने वाली कर्मचारी डेसायर बैटन ने बताया कि वह और उसके साथी तुरंत एक कमरे में छिप गए और पुलिस के आने तक वहीं रहे। घटना के बाद पूरे मॉल में दहशत का माहौल बन गया। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने लोगों को रोते और भागते हुए देखा। एक प्रत्यक्षदर्शी केनेडी बार्नम ने कहा कि जैसे ही गोलीबारी की खबर मिली, सुरक्षा गार्ड ने तुरंत वहां से निकलने को कहा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी ने घटना का वीडियो बनाया है तो वह जांच में सहयोग करे। शाम तक मॉल के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, हेलीकॉप्टर निगरानी करते रहे और इलाके में लगातार गश्त जारी रही।

फास्ट न्यूज

'दोनों देशों के रिश्तों में विश्वास की कमी'

वॉशिंगटन । वॉशिंगटन के हडसन इंस्टीट्यूट में आयोजित न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत और अमेरिका के संबंधों पर गहन चर्चा हुई। जहां विशेषज्ञों ने माना कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में विश्वास की कमी एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसके साथ ही दोनों देश एक दूसरे की मजबूरियां नहीं समझ पा रहें। अमेरिका के हडसन इंस्टीट्यूट में आयोजित न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस में भारत और अमेरिका के संबंधों पर बड़ी चर्चा हुई।

'कभी भारत आकर देखो, फिर बोलना', ईरान का तंज

नई दिल्ली। भारत और चीन को नरक के गड्ढे बताने वाली सोशल मीडिया पोस्ट साझा करने के बाद ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाया है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा साझा किए गए इस नस्लवादी बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने उन पर तीखा तंज कसा है। मुंबई स्थित ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने X सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक और भौगोलिक विरासत को दर्शाने वाला एक वीडियो साझा किया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी नई दिल्ली का दौरा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक भारतीय अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी।

सीजफायर के बाद पहली बार तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव

तेहरान में हवाई हमले की आशंका पर एयर डिफेंस सक्रिय

नई दिल्ली, एजेंसी

- राजधानी के कुछ इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं।
- हालिया सीजफायर के बाद यह पहली बड़ी घटना है।

ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार शाम एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया। यह कदम उस समय उठाया गया जब कुछ इलाकों में हवाई हमले जैसी गतिविधियों और धमाकों की रिपोर्ट सामने आई।

यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने दी है। यह घटना उस समय की बताई जा रही है जब हाल ही में संघर्ष के बाद सीजफायर लागू हुआ था। इसलिए इसे हाल के समय की पहली ऐसी बड़ी घटना माना जा रहा है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'IRNA' ने बताया कि पश्चिमी तेहरान में एयर डिफेंस से फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय कर दिया गया। इसी तरह 'मेहर' समाचार एजेंसी ने भी रिपोर्ट दी कि राजधानी के कई हिस्सों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय किया गया ताकि संभावित हवाई खतरों का मुकाबला किया जा सके। हालांकि किसी विशेष लक्ष्य या हमले की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

फीफा वर्ल्ड कप से पहले अमेरिका ने ईरान को दी चेतावनी

'हम उन्हें आने नहीं देंगे'

- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की भागीदारी पर शर्तें रखीं
- आईआरजीसी से जुड़े लोगों को अमेरिका में प्रवेश नहीं मिलेगा
- एक दूत ने ईरान की जगह इटली का नाम सुझाया

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें इस गर्मी में होने वाले FIFA वर्ल्ड कप में ईरान के हिस्सा लेने पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, कुछ शर्तें हैं जिन्हें ईरानी खिलाड़ियों और अधिकारियों को पूरा करना होगा, और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इन शर्तों को बिल्कुल साफ कर दिया है। रूबियो ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि, FIFA वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले ईरानी खिलाड़ियों को अपने साथ ऐसे लोगों को लाने की इजाजत नहीं होगी। जिनका ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से कोई संबंध हो। रूबियो ने पत्रकारों से आगे कहा, ₹अमेरिका की तरफ से उन्हें ऐसा कुछ भी नहीं कहा गया है कि वे नहीं आ सकते। ईरान के साथ दिक्कत खिलाड़ियों को लेकर नहीं होगी, बल्कि उन कुछ दूसरे लोगों को लेकर होगी जिन्हें वे अपने साथ लाना चाहेंगे, और जिनमें से कुछ लोगों के IRGC से संबंध हैं।

ट्रंप ने खुद भी इस मामले पर कड़ा रुख अपनाने के संकेत दिए, और कहा कि, ₹उनका प्रशासन खिलाड़ियों पर कोई असर नहीं डालना चाहेगा।₹ इससे पहले, राष्ट्रपति ट्रंप के एक विशेष दूत ने कथित तौर पर FIFA से आने वाले वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करने का अनुरोध किया था। बता दें कि, यह वर्ल्ड कप 11 जून से शुरू हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विशेष दूत पाओलो ज़म्पोली ने कहा, ₹मैं इस बात की पुष्टि करता हूं कि, मैंने ट्रंप और FIFA अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को सुझाव दिया है कि, वर्ल्ड कप में ईरान की जगह इटली को शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा, ₹मैं मूल रूप से इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में 'अज़ूरी' (इटली की टीम) को खेलते देखना मेरे लिए एक सपने जैसा होगा।

रूबियो ने कहा खिलाड़ियों से उन्हें कोई परेशानी नहीं

रूबियो ने आगे कहा, हो सकता है कि हम उन्हें देश में आने की इजाजत न दें... हो सकता है कि वे खुद ही न आने का फैसला करें, लेकिन वे IRGC के आतंकवादियों के एक पूरे समूह को हमारे देश में लाकर यह दिखावा नहीं कर सकते कि वे पत्रकार या एथलेटिक ट्रेनर हैं।₹ इस तरह उन्होंने फुटबॉल के इस वैश्विक महाकुंभ में ईरान के हिस्सा लेने को लेकर देश का रुख बिल्कुल साफ कर दिया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने हाई-लेवल मीटिंग की, बैंकिंग सेक्टर को होने वाले संभावित खतरों पर चर्चा

मिथॉस एआई से बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमले का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को बैंकों के प्रमुखों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग की। इस बैठक में एंथ्रोपिक के 'क्लॉड मिथॉस' AI मॉडल से बैंकिंग सेक्टर को होने वाले संभावित खतरों पर चर्चा की गई। यह एआई मॉडल इतना एडवांस है कि हैकर इसका इस्तेमाल दशकों पुरानी अज्ञात खामियों को खोजकर फाइनेंशियल सेक्टर पर साइबर हमले कर सकते हैं। मिथॉस एंथ्रोपिक का सबसे शक्तिशाली AI मॉडल है। कंपनी के मुताबिक मिथॉस ने ऑपरेटिंग सिस्टम और ब्राउजर्स की दशकों पुरानी कमियां ढूंढ निकाली हैं, जिन्हें इंसान नहीं देख पाए। एंथ्रोपिक का

कहना है कि इसे सार्वजनिक करना किसी के भी हाथ में एडवांस हैकिंग टूल देने जैसा होगा।

एंथ्रोपिक ने इसका एक्सेस सिर्फ अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी चुनिंदा 40 कंपनियों को दिया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ अनधिकृत यूजर्स ने इसका एक्सेस हासिल कर लिया है। इससे डर है कि वे सिस्टम की सुरक्षा खामियों का फायदा उठा सकते हैं।

एंथ्रोपिक ने कहा कि अगर इसे बिना किसी नियंत्रण के रिलीज किया गया, तो अर्थव्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इसके नतीजे बहुत बुरे हो सकते हैं।

खतरे से निपटने के लिए भारत का प्लान

वित्त मंत्रालय अब एक ऐसा फ्रेमवर्क बनाने की योजना बना रहा है जो हैकिंग के प्रयासों की पहचान कर उन पर तुरंत कार्रवाई कर सके। बैंकों को सलाह दी गई है कि वे साइबर हमले की जानकारी आपस में साझा करने के लिए एक रियल-टाइम इंटेलिजेंस शेयरिंग मैकेनिज्म बनाएं। इसमें इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम और अन्य एजेंसियां भी शामिल होंगी।

> **केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका में भी इस मुद्दे पर मीटिंग्स हो रही है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने हाल ही में बैंक के बड़े अधिकारियों के साथ एक क्लोज-डोर मीटिंग की थी। इसमें उन्होंने बैंक अधिकारियों से कहा था कि वे अपने सिस्टम को मिथॉस से पैदा होने वाले संभावित खतरों के लिए तैयार रखें।**

बैंकों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश

वित्त मंत्री ने बैंकों को अपने IT सिस्टम को सुरक्षित करने और कस्टमर डेटा की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि मिथॉस से पैदा होने वाला खतरा ऐसा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। इसके लिए वित्तीय संस्थानों और बैंकों के बीच बेहतर तालमेल और हाई लेवल की तैयारी की जरूरत है।

इस मॉडल के रोलआउट से पहले एक घटना भी सामने आई थी जो बताती है कि ये कितना एडवांस है।

अब लाखों अमेरिकी बन जाएंगे कनाडाई

नई दिल्ली, एजेंसी

कनाडा में हाल ही में नागरिकता से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव हुआ है, जिसके बाद लाखों अमेरिकी भी अब कनाडा के संभावित नागरिक माने जा सकते हैं। यह बदलाव 15 दिसंबर से लागू हुआ है और इसके बाद अमेरिका से आवेदन करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ गई है।

अब नए नियम के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का कनाडा में जन्मे पूर्वज जैसे दादा-दादी या परदादा-परदादी हैं, तो वे भी नागरिकता का दावा कर सकते हैं। पहले यह अधिकार केवल एक पीढ़ी तक सीमित था, लेकिन अब इसे बढ़ा दिया गया है। फार्मिंगटन (मिनेसोटा) के ज़ैक लॉड जैसे लोगों को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उनकी दादी कनाडा में जन्मी थीं, इसलिए वे पहले से ही कनाडाई नागरिक माने जा सकते हैं।

इस नए नियम के बाद अमेरिका और कनाडा के इमिग्रेशन वकीलों पर काम का भारी दबाव बढ़ गया है। कई वकीलों ने बताया कि उन्हें नागरिकता के आवेदन और सलाह के लिए बड़ी संख्या में कॉल मिल रही हैं। वकील निकोलस बर्निंग के अनुसार उनका ऑफिस इस काम में पूरी तरह व्यस्त है।

वकील अमनदीप हेयर ने बताया कि उनके यहां पहले साल में करीब 200 मामले आते थे, लेकिन अब रोजाना 20 से ज्यादा परामर्श आने लगे हैं। कनाडा में अब लाखों अमेरिकी ऐसे हैं जो अपने पारिवारिक इतिहास के आधार पर नागरिकता का दावा कर सकते हैं।

श्रद्धांजलि : 5 क्विंटल चंदन की लकड़ी की चिता बनाई गई, 'फन्ना बाबू अमर रहे' के नारे लगे

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल का अंतिम संस्कार

बीकानेर, एजेंसी

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के सीएमडी और प्रख्यात उद्योगपति शिवरतन अग्रवाल (74) का आज (शुक्रवार) अंतिम संस्कार किया गया। उनके इकलौते बेटे दीपक अग्रवाल ने मुखाग्नि दी।

बीकानेर के सतीमाता मंदिर के पास अग्रवाल समाज के श्मशान घाट में करीब 5 क्विंटल चंदन की लकड़ी की चिता बनाई गई थी।

इससे पहले अंतिम यात्रा सार्दुलगंज स्थित शिवरतन अग्रवाल के आवास से निकली। इस दौरान 'फन्ना बाबू अमर रहे' के नारे लगे। अंतिम यात्रा नत्थूसर गेट होते हुए श्मशान घाट पहुंची।

23 अप्रैल (गुरुवार) की सुबह

चेन्नई में हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया था। बीकानेर में उन्हें शिवरतन अग्रवाल से ज्यादा 'फन्ना बाबू' के नाम से जाना जाता था।

शिवरतन अग्रवाल की पार्थिव देह गुरुवार रात करीब 9:30 बजे चार्टर प्लेन से बीकानेर लाई गई। उनके साथ परिवार के सदस्य भी 4 अलग-अलग चार्टर विमानों से पहुंचे।

बीकानेर में शिवरतन अग्रवाल के अंतिम संस्कार की तैयारियां

बीकानेर के नत्थूसर गेट स्थित श्मशान घाट में दाह संस्कार को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। बड़ी संख्या में शहरवासी इसमें शामिल हुए हैं। चिता पर लकड़ियां रखी जा रही हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी अंतिम यात्रा में श्मशान घाट तक साथ चले। नत्थूसर गेट स्थित श्मशान घाट पहुंचने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने अर्थी को कंधा दिया।

बीकानेर व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी ने बताया- शुक्रवार को दोपहर 2 बजे तक शहर के बाजार बंद रहेंगे।

बीकानेर के खजांची मार्केट से लेकर अन्य बाजारों में दुकानों के शटर शुक्रवार को नहीं उठे।

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल को बेटे ने दी मुखाग्नि

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल को उनके बेटे दीपक अग्रवाल ने मुखाग्नि दी। इस दौरान उनके परिवार के लोगों के साथ बड़ी संख्या में शहर के व्यापारी, नेता व आम लोग मौजूद रहे।

शिवरतन अग्रवाल के अंतिम संस्कार के लिए 5 क्विंटल चंदन की लकड़ी मंगाई गई है। इसमें 30-30 किलो ग्राम के टुकड़े हैं। इन्हीं लकड़ी के टुकड़ों से चिता सजाई जा रही है।

फन्ना बाबू के नाम के नारे लगे

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के सीएमडी और प्रख्यात उद्योगपति शिवरतन अग्रवाल की अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उनके आवास से करीब 15 किमी नत्थूसर गेट तक पार्थिव देह गाड़ी में लाई गई। इसके बाद श्मशान तक लोग पैदल आए। इस दौरान लोगों ने शिवरतन अग्रवाल के लिए नारे भी लगाए। पूरा इलाका जब तक सूरज चांद रहेगा, फन्ना बाबू तुम्हारा नाम रहेगा।

74 साल की उम्र और अकेले किया 72 देशों का सफर

चीन में गर्मजोशी से हुआ ब्रिटिश सोलो ट्रैवलर का स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

74 साल की ब्रिटिश महिला की 72 देशों की यात्रा करने के बाद चीन पहुंचीं तो वहां के स्थानीय लोगों से जो अप्रत्याशित प्यार और सहयोग मिला, उसने इंटरनेट पर हजारों लोगों की आंखें नम कर दी हैं। क्योंकि महिला ने इन देशों की यात्रा अकेले की।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कहानी ने कई लोगों को भावुक कर दिया है, क्योंकि स्थानीय लोगों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उनकी यात्रा के दौरान मार्गदर्शन और समर्थन देने के लिए आगे बढ़कर मदद की। ब्रिटिश सोलो ट्रैवलर का चीन में गर्मजोशी से स्वागत हुआ। दरअसल, दक्षिण-पश्चिम चीन के हेझोऊ के एक विश्वविद्यालय छात्र, शियाओ यू, फुकेत में स्वयंसेवा करते समय गिल नामक महिला से मिले। बातचीत के

दौरान पता चला कि 74 वर्षीय गिल ने अकेले 72 देशों की यात्रा की है और कई स्थानों पर स्वयंसेवा भी की है। बाद में जियाओ को एक ईमेल के जरिए मालूम हुआ कि गिल चीन आ रही हैं। उनका दूसरा पड़ाव गुइलिन था, जो जियाओ के घर के नजदीक है। जियाओ ने उनसे मिलने और दो दिनों तक शहर घूमने में उनकी मदद करने का फैसला किया।

3 अप्रैल को, जियाओ की मुलाकात गिल से गुइलिन में हुई और उन्होंने गिल को एलीफेंट ट्रंक हिल और डिएकाई हिल सहित कुछ प्रसिद्ध स्थानों की सैर कराई।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96